RNI NO: UPHIN/2023/89251

वर्ष : 02
अंक : 329
गुरूवार 05 नवंबर 2026
मूल्य : 02 रूपये
पृष्ठ : 08
कुशीनगर से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इंडिपेंडेंट भारत



पेज-2 फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वाले दो... पेज-3 भाजपा का अराजकता के खिलाफ... पेज-4 मोबाइल और मंगलसूत्र छिनैती का खुलासा, दो....

संक्षिप्त समाचार

सांसद रूहुल्लाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस से दिया इस्तीफा

बड़गाम। नेशनल कॉन्फ्रेंस से श्रीनगर के सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने मंगलवार को पार्टी और लोकसभा की सदस्यता से एक साथ इस्तीफा देने का ऐलान करके सबको हैरत में डाल दिया। बडगाम के बहिश्त-ए-जहरा पार्क में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इस्तीफा देने की घोषणा की। रूहुल्लाह ने कहा कि पार्टी के साथ उनके मतभेद सिद्धांतों और राजनीतिक वादों से जुड़े हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा आज भोपाल में

भोपाल। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा बुधवार को भोपाल आएंगे। वे यहां 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली में शामिल होंगे। रैली प्रात: 10 बजे अटल पथ पर निकाली जाएगी। रैली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल समेत आम जनता शामिल होगी।

बेंगलुरु में इंडिया गठबंधन की रैली कल

बेंगलुरु। इंडी गठबंधन के नेता गुरुवार पांच नवंबर को यहां फ्रीडम पार्क में एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। यहां कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य कांग्रेस प्रमुख बी के हरिप्रसाद ने कहा कि बेंगलुरु में होने वाला यह प्रदर्शन, गठबंधन के देशव्यापी आंदोलन का हिस्सा होगा।

राहुल गांधी के मार्च मामले में सुनवाई अब 23 को

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय 12 मार्च को राहुल गांधी के मार्च के दौरान हुए कथित हंगामे और नारेबाजी से जुड़ी याचिका पर 23 नवंबर को सुनवाई करेगा। यह मार्च राहुल गांधी ने सर्वोच्च न्यायालय तक निकाला था। न्यायालय ने इस मामले में केंद्र सरकार, राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है।

अभिषेक बनर्जी को सर्वोच्च न्यायालय से राहत

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय से मंगलवार को लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को राहत मिली है। शीर्ष न्यायालय ने कलकत्ता हाईकोर्ट से उनकी उस याचिका पर विचार करने को कहा, जिसमें उनके खिलाफ चल रही जांच और मामलों से जुड़ी मीडिया रिपोर्टिंग पर रोक लगाने की मांग की गई है। न्यायालय ने कहा कि दुर्गा पूजा और दिवाली की छुट्टियों के बाद कलकत्ता हाईकोर्ट 16 नवंबर को दोबारा खुलेगा। इसके बाद अभिषेक बनर्जी अंतरिम राहत के लिए अपनी याचिका पर सुनवाई का अनुरोध कर सकते हैं।

शीर्ष न्यायालय बोला- एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते

प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार

रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी

■ नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक स्थलों पर लंबे समय तक धरना-प्रदर्शन के नाम पर कब्जा जमाए रखने की प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हुए कहा है कि कोई भी संगठन किसी एक स्थान पर अनिश्चितकाल तक प्रदर्शन नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को अपनी बात रखने का अवसर मिल सके। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि सार्वजनिक स्थान किसी एक संगठन की स्थायी संपत्ति नहीं हो सकते। वहां किसान, मजदूर, पत्रकार और अन्य संगठनों को भी प्रदर्शन का अधिकार है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों से संबंधित नौ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में पुलिस कार्रवाई, प्रदर्शनकारियों की हिरासत, निगरानी, यातायात प्रतिबंध और कारोबारियों को हुए नुकसान जैसे मुद्दे उठाए गए हैं। दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण त्योहारों के मौसम में कारोबार प्रभावित हुआ। अनेक दुकानें बंद रहीं और बिक्री में गिरावट आई। उनके अनुसार, व्यापारियों को करीब दो हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

उन्होंने अगले दो महीने तक धरना-प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस का पक्ष रखते हुए बताया कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए केवल एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिन तक वहां बैठे रहे। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति संसद की ओर मार्च भी किया गया। उनके अनुसार, प्रदर्शन आयोजित करने वाले संगठनों को उससे उत्पन्न परिस्थितियों की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए।

हिरासत और निगरानी पर भी सवाल

वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने करीब सात हजार लोगों को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया। इस पर मेहता ने कहा कि उन्हें हिरासत में नहीं लिया गया, बल्कि प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था। वहीं, प्रशांत भूषण ने प्रदर्शनकारियों की निगरानी के कानूनी आधार पर सवाल उठाए। जवाब में सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि पुलिस ने केवल सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की थी। पीठ के सामने मेट्रो और रेल सेवाएं बंद करने, रास्तों पर अवरोध लगाने, धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू करने, वकीलों के साथ कथित मारपीट तथा पूर्व अदालती निर्देशों के पालन से जुड़े मामले भी हैं। अदालत ने संबंधित आदेशों की प्रतियां प्रस्तुत करने को कहा है।

अभा कार्यकारी मंडल की बैठक में हुतात्मा का स्मरण

राजनारायण बसु राष्ट्रीय चेतना के अग्रदूतः दत्तात्रेय होसबाले

■ इंदौर



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय (अभा) कार्यकारी मंडल बैठक में मंगलवार को राजनारायण बसु का स्मरण करते हुए वक्तव्य जारी किया गया।

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने हुतात्मा राजनारायण बसु का स्मरण करते हुए कहा कि भारत का स्वाधीनता संग्राम भारतीय इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है। ब्रिटिश आक्रमण जैसा सर्वकष था वैसा ही समग्र हमारा उत्तर था। ब्रिटिशों के आक्रमण के कारण हमारा शिक्षित समाज अपने मूल से कट कर आत्मविस्मृति का शिकार होकर आत्मगौरव से शून्य हो रहा था। उस समय अनेक महापुरुषों ने राष्ट्रीय चेतना जगाने और राष्ट्र के स्वरूप की सुस्पष्ट कल्पना के लिए प्रभावी प्रयास किये उनमें राजनारायण बसु का नाम अग्रणी है।

बंगाल के बोराल गांव में जन्में: 7 दिसंबर 1826 को बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बोराल गांव में जन्मे राजनारायण बसु का द्विशताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। अपनी शिक्षा के बाद उन्होंने संस्कृत विद्यालय में अध्यापन कार्य करते हुए अपने जीवन को सामाजिक सुधार के कार्य हेतु समर्पित कर दिया। विशेष रूप से निर्धनों के उत्थान, नशा मुक्ति, महिलाओं में शिक्षा प्रसार और विधवाओं के पुनर्विवाह के लिए उन्होंने विशेष प्रयास किए थे।

'हिन्दू मेला' राष्ट्रीय भाव का मंच बना

राजनारायण बसु ने अपने उदेश्यों की प्राप्ति के लिए एक संस्था की रचना का प्रारूप तैयार किया। उनके निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप नवगोपाल मित्र द्वारा 1867 से प्रारम्भ किया गया 'हिन्दू मेला' राष्ट्रीय भाव के पोषण और संवर्धन का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा।
राजनारायण बसु ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का प्रबल समर्थन किया।

तूफान मुरासु कमजोर पड़ा, आंध्र प्रदेश में भारी तबाही



हैदराबाद। चक्रवाती तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश के तट से आगे बढ़कर कमजोर पड़ गया है, लेकिन इसके पीछे तबाही के निशान रह गए हैं। तेज हवाओं और भारी वर्षा ने तटीय क्षेत्रों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। हजारों पेड़ धराशायी हो गए, बिजली के सैकड़ों खंभे क्षतिग्रस्त हुए और कई नावों को नुकसान पहुंचा। जलभराव के कारण हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। तूफान सोमवार रात करीब एक बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका से बाजार में बढ़ा असमंजस

अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर किए हवाई हमले, बढ़ा तनाव, ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर के पार

■ वॉशिंगटन

अमेरिका ने ईरान के क़ेश्म द्वीप पर नए हवाई हमले किए हैं। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बातचीत में प्रगति होने और समझौते की संभावनाएं मजबूत होने का दावा किया है। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि हाल के हफ्तों में अमेरिका ईरान के खिलाफ गोपनीय तरीके से सीमित हमले करता रहा है। क़ेश्म द्वीप पर कार्रवाई इसी श्रृंखला का हिस्सा बताई गई है। कुछ अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हमले रक्षात्मक प्रकृति के थे और इनका उद्देश्य ईरान को हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर हमला करने से रोकना था। यह समुद्री मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिहाज से बेहद अहम है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अमेरिका कई महीनों से कोई लड़ाई नहीं लड़ रहा है। हालांकि, ताजा हमले की खबर से क्षेत्र में सैन्य तनाव और कूटनीतिक प्रयासों के बीच विरोधाभासी स्थिति सामने आई है।

ओमान के तट पर भारतीय जहाज पर हमला, एक भारतीय की मौत

■ नई दिल्ली



ओमान के लीमा तट के पास सोमवार शाम भारतीय ध्वज वाले मालवाहक जहाज एमएसवी अल जुसुफी पर हमला हुआ। जहाज पर सवार 14 भारतीय नाविकों में से एक की मौत हो गई, जबकि 13 को सुरक्षित बचा लिया गया। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को घटना की जानकारी दी। उनके मुताबिक, जहाज को किसी अज्ञात हवाई वस्तु ने निशाना बनाया। हमले में जान गंवाने वाले नाविक की पहचान गुजरात निवासी गांधार नाहिम अजीज के रूप में हुई है। हमले के बाद ओमान के तटरक्षक बल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जहाज से 13 भारतीय नाविकों को सुरक्षित निकाल लिया।

एवरेस्ट बेस कैंप के रास्ते में दो हेलिकॉप्टर आपस में टकराए, भारतीय पर्यटक की मौत



काठमांडू। नेपाल में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप की ओर जाने वाले मार्ग पर मंगलवार सुबह दो हेलिकॉप्टरों के बीच टक्कर हो गई। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि एक नेपाली घायल हुआ है। दोनों हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होकर जमीन पर गिर गए। हादसे में दोनों पायलटों को भी मामूली चोटें आई हैं।

यूक्रेन में राहत केंद्र पर रूस ने किया हमला, 26 मरे

■ कीव

यूक्रेन ने रूस पर दक्षिणी क्षेत्र में मानवीय सहायता केंद्र पर बमबारी करने का आरोप लगाया है। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि यह घटना इस बात का प्रमाण है कि रूस युद्ध में तनाव कम करने या न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में आगे बढ़ने को तैयार नहीं है। उन्होंने अमेरिका से रूस पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। जेलेंस्की ने अपने वीडियो संबोधन में कहा कि यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस देश पर एक और बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। इस बार ऊर्जा और परिवहन व्यवस्था से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाए जाने की आशंका है। उन्होंने कहा कि रूस को उम्मीद हो सकती है कि अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के कारण दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हट जाएगा। ऐसे समय में यूक्रेन की वायु रक्षा व्यवस्था और पैट्रियट मिसाइलों की कमी से जुड़ी चुनौतियां भी नजरअंदाज हो सकती हैं। क्षेत्रीय प्रमुख मिखाइलो सेमिकिन के अनुसार, सोमवार को जापोरिज्जिया क्षेत्र के कोमिशुवाखा गांव पर कम से कम नौ हवाई बम गिराए गए।

अनिल अंबानी ग्रुप पर एक और बड़ा प्रहार, 510 करोड़ की संपत्तियां अटैच

■ नई दिल्ली

उद्योगपति अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़ी कंपनियों के खिलाफ ईडी ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। मनी लॉन्ड्रिंग और कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के बीच ईडी ने ग्रुप से संबंधित करीब 510 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की हैं। ताजा कार्रवाई में दो चार्टर्ड विमान, महाराष्ट्र में जमीन और कार्यालय परिसरों को शामिल किया गया है। इस कार्रवाई के साथ ही अनिल अंबानी ग्रुप से जुड़े विभिन्न मामलों में ईडी की ओर से अब तक जब्त और अटैच की गई संपत्तियों का कुल मूल्य करीब 23,100 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

मोदी बोले- पहले गरीबी खत्म करने के वादे होते थे, अब जमीनी स्तर पर काम हो रहा

■ पुणे



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि देश ने लंबे समय तक गरीबी उन्मूलन के वादे और नारे सुने हैं, लेकिन अब गरीबों के जीवन में बदलाव लाने के लिए धरातल पर काम किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 से 12 वर्षों में भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख किया गया है। पीएम मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे थे। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि पुणे मेट्रो का विस्तार केवल यातायात की सुविधा नहीं बढ़ाएगा, बल्कि लोगों का समय बचाकर उनकी कार्यक्षमता और आर्थिक गतिविधियों को भी गति देगा।

अखिलेश यादव नहीं लड़ेंगे 2027 का विधानसभा चुनाव

बोले- जो पहले शुभ रहा है, वही दोहराऊंगा, 2012 में सांसद रहते बने थे उप्र के मुख्यमंत्री

■ लखनऊ



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह इस बार स्वयं विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि पार्टी के अन्य नेताओं को चुनाव मैदान में उतारने पर ध्यान देंगे। अखिलेश ने कहा कि वह शुभ-अशुभ को मानते हैं और वही करेंगे, जो उनके लिए पहले शुभ रहा है। अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए अखिलेश ने वर्ष 2012 का उदाहरण दिया। उस समय समाजवादी पार्टी को विधानसभा चुनाव में बहुमत मिला था और वह लोकसभा सांसद रहते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने इसी अनुभव को अपने लिए शुभ बताते हुए कहा कि इस बार भी वही रास्ता अपनाएंगे। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव स्वयं मैदान में उतरे थे, लेकिन पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी। इस बार उनके चुनाव नहीं लड़ने के संकेतों को इसी राजनीतिक रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनने के बावजूद पार्टी के चुनाव अभियान, संगठन और राजनीतिक रणनीति की कमान अखिलेश यादव के हाथों में ही रहने की संभावना है। उनके इस फैसले से समाजवादी पार्टी के भीतर दूसरे प्रमुख नेताओं को चुनावी मैदान में आगे आने का अवसर मिल सकता है।

[परीक्षण सफल] 500 किमी दूर दो लक्ष्य किए ध्वस्त, पश्चिमी सीमा पर तैनाती की तैयारी

भारत ने पहली बार एक लॉन्चर से दो मिसाइलें दागीं

■ नई दिल्ली



भारत ने अपनी सामरिक मारक क्षमता को नई धार देते हुए एक ही प्रक्षेपक से दो मिसाइलें दागने की क्षमता का सफल परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के चांदीपुर से स्वदेशी प्रलय मिसाइलों का परीक्षण किया।

इस परीक्षण की विशेषता यह रही कि एक ही लॉन्चर से दो मिसाइलें निर्धारित अंतराल पर दागी गई और उन्होंने अलग-अलग लक्ष्यों को भेदा। इस उपलब्धि से भारतीय रक्षा तकनीक की क्षमता में महत्वपूर्ण विस्तार हुआ है। प्रलय करीब 500 किलोमीटर तक मार करने वाली क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी विशेषता उड़ान के दौरान दिशा बदलने और लक्ष्य के निकट पहुंचकर अपनी गति तथा प्रक्षेप पथ में परिवर्तन करने की क्षमता है। पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों की तुलना में इसका उड़ान मार्ग कम अनुमानित होता है, जिससे इसे रोकना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। प्रलय मिसाइल को थलसेना और वायुसेना में शामिल करने की योजना है। पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर इसकी तैनाती को सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एक ही लॉन्चर से दो मिसाइलें दागने की क्षमता युद्ध के दौरान कम समय में अलग-अलग सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने में उपयोगी हो सकती है।

क्या है साल्वो परीक्षण?

एक ही प्रक्षेपक से कम समय के अंतराल में कई मिसाइलें दागने की प्रक्रिया को साल्वो परीक्षण कहा जाता है। सामान्य परीक्षण में एक लॉन्चर से एक मिसाइल दागी जाती है, जबकि इस प्रक्रिया में दो मिसाइलें अलग-अलग लक्ष्यों की ओर भेजी जाती हैं। पहली मिसाइल के प्रक्षेपण से लॉन्चर में कंपन, ताप और धुएं का प्रभाव उत्पन्न होता है। इसके बावजूद दूसरी मिसाइल को सटीक दिशा में भेजना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। इस परीक्षण की सफलता से एक ही स्थान से एकाधिक लक्ष्यों पर प्रहार की क्षमता प्रदर्शित हुई है।

नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए अरब गठबंधन विपक्ष के साथ आने को तैयार

■ येरुशलम



इजराइल में पिछले सप्ताह हुए चुनाव के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता पर संकट गहरा गया है। देश के प्रमुख अरब गठबंधन के नेता यूसुफ जबरीन ने कहा है कि नेतन्याहू सरकार को हटाने के लिए विपक्षी 'चेंज' गठबंधन के साथ काम करने का यह ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने 'द गार्जियन' से बातचीत में कहा कि इजराइल के पास अपनी राजनीतिक दिशा बदलने का मौका है। नेतन्याहू के गठबंधन को 120 सदस्यीय संसद नेसेट में बहुमत नहीं मिला। चुनाव में उसकी सीटें 68 से घटकर 53 रह गईं। वहीं, सेवानिवृत्त जनरल गादी आइज़ेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी चेंज गठबंधन को 48 सीटें मिलीं। अरब दलों ने रिकॉर्ड 19 सीटें जीतकर सरकार गठन में निर्णायक भूमिका हासिल कर ली है। इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग बुधवार से राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। इन बैठकों में वह जानेंगे कि किस नेता को सरकार बनाने का पहला मौका दिया जाना चाहिए।

अरब मतदाताओं की रिकॉर्ड भागीदारी

इजराइल की कुल आबादी में लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा रखने वाले अरब नागरिकों में मतदान का प्रतिशत करीब 80 रहा है। यह पिछले चुनाव की तुलना में दोगुने से अधिक है। करीब 8.4 लाख फिलस्तीनी मूल के इजराइलियों ने मतदान किया। 54 वर्षीय जबरीन, जो हदाश पार्टी के नेता और पूर्व कानून प्रोफेसर हैं, ने कहा कि अरब समुदाय की पहली मांग नेतन्याहू सरकार को हटाना है। खास तौर पर दक्षिणपंथी मंत्रियों इतामार बेन-ग्विर और स्मोट्रिच को सत्ता से बाहर करना उनकी प्राथमिकता है।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों के निर्धारण में मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं: डीएम

148 विद्यालयों की 171 आपत्तियों पर सुनवाई, विवादित और डिबार विद्यालयों को केंद्र बनाने पर रोक

इंडिपेंडेंट भारत

ब्यूरो,कुशीनगर। आगामी यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र निर्धारण को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समिति की बैठक हुई। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति में आयोजित बैठक में विद्यालयों की ओर से दर्ज कराई गई आपत्तियों पर सुनवाई की गई। जनपद के 148 विद्यालयों ने परीक्षा केंद्र निर्धारण के संबंध में कुल 171 आपत्तियां दर्ज कराई थीं। जिलाधिकारी ने संबंधित विद्यालयों के प्रतिनिधियों की बातें गंभीरता से सुनीं और प्रस्तुत तथ्यों एवं समस्याओं को समझा। हालांकि, बैठक में आपत्तियों पर तत्काल कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों का



निर्धारण शासन और माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्र बनने वाले विद्यालयों में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था का होना अनिवार्य है। डीएम ने कहा कि विद्यालय मुख्य संपर्क मार्ग से सुगमता से जुड़े होने चाहिए। परिसर की बाउंड्रीवाल मजबूत और सुरक्षित होनी चाहिए तथा सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील अवस्था में होने चाहिए। प्रश्नपत्रों एवं उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षित स्ट्रांग रूम और पर्याप्त मजबूत अलमारियों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। परीक्षा कक्षों की भौतिक स्थिति पर जोर देते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि खिड़कियों में शीशे और जाली लगी होनी चाहिए तथा कोई भी खिड़की मुख्य सड़क की ओर नहीं खुलनी चाहिए। चयनित विद्यालयों की भौतिक एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का समुचित परीक्षण कराया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी संदेहास्पद या विवादित विद्यालय को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा अनधिकृत, डिबार या ब्लैकलिस्टेड घोषित विद्यालयों को केंद्र बनाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केंद्रों का निर्धारण निर्धारित दूरी के मानकों के भीतर किया जाएगा। निर्धारित दूरी से अधिक दूर केंद्र आवंटित किए जाने की शिकायतों का नियमानुसार परीक्षण कर निस्तारण किया जाएगा। पहली बार परीक्षा केंद्र बनने वाले विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण कर सुविधाओं का सत्यापन अनिवार्य होगा। वहीं, परीक्षा केंद्र बनने में असमर्थता जताने वाले विद्यालयों के परीक्षार्थियों के लिए निकटतम उपयुक्त केंद्र पर वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। डीएम ने चेतावनी दी कि परीक्षा केंद्र निर्धारण में मानकों की अनदेखी या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यूपी बोर्ड परीक्षाओं को पारदर्शी, शुचितापूर्ण और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, केंद्र व्यवस्थापक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

त्योहारों से पहले पटाखा कारोबारियों पर प्रशासन सख्त, सुरक्षा मानकों के पालन की हिदायत

हाटा कोतवाली में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और सीओ ने पटाखा व्यापारियों के साथ की बैठक, नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई के संकेत

शिवाकांत पाण्डेय

कुशीनगर। त्योहारों के मद्देनजर पटाखा कारोबार में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कुशीनगर पुलिस और प्रशासन सतर्क हो गया है। बुधवार को थाना कोतवाली हाटा परिसर में पटाखा व्यापारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपजिलाधिकारी हाटा मयंक त्रिपाठी एवं क्षेत्राधिकारी कसया डॉ अजय कुमार सिंह ने व्यापारियों को प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों और आदेशों की



जानकारी दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पटाखों की बिक्री और भंडारण के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों, कानूनी प्रावधानों एवं प्रशासनिक निर्देशों का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य है। अधिकारियों ने व्यापारियों को सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार रहने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने की हिदायत दी। साथ ही जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रशासन का उद्देश्य त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

साइकिल-बाइक की टक्कर में दो गंभीर घायल

रामकोला-लक्ष्मीगंज मार्ग पर शराब की दुकान के पास हुआ हादसा, दोनों का उपचार जारी

इंडिपेंडेंट भारत

लक्ष्मीगंज, कुशीनगर। रामकोला-लक्ष्मीगंज मार्ग पर रामबाग भरपटिया चौराहे से करीब 500 मीटर उत्तर शराब की दुकान के पास साइकिल और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, साइकिल सवार नशे की



हालत में था। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए। घायलों की पहचान डमर छपरा निवासी विनोद कुशवाहा (47), पुत्र रामअवध, और खोटही बनकट निवासी हिमांशु सिंह के रूप में हुई है। विनोद के पैर में फ्रैक्चर हुआ है, जबकि हिमांशु की चार पसलियों में क्रैक और हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। दोनों घायलों का उपचार जारी है।

फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वाले दो गिरफ्तार

आरटीओ कार्यालय के पास कंप्यूटर सेंटर की आड़ में चल रहा था गोरखधंधा, दो लैपटॉप, प्रिंटर-स्कैनर, 10 स्मार्ट कार्ड चिप और नकदी बरामद

इंडिपेंडेंट भारत

कुशीनगर। रविन्द्रनगर धूस पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने फर्जी एवं कूटरचित ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो फर्जी स्मार्ट ड्राइविंग लाइसेंस, 10 स्मार्ट कार्ड चिप, दो लैपटॉप, दो मोबाइल फोन, एक प्रिंटर-स्कैनर और 4,830 रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपियों पर कंप्यूटर सेंटर की आड़ में फर्जी लाइसेंस तैयार कर लोगों से मनमानी रकम वसूलने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर को की गई कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जमीर अहमद पुत्र बसावन अली, निवासी भिसवा सरकारी और



श्यामजी पुत्र स्वर्गीय रामनरेश प्रसाद, निवासी बसडीला, थाना रविन्द्रनगर धूस के रूप में हुई है। दोनों के विरुद्ध थाना रविन्द्रनगर धूस में मुकदमा संख्या 178/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में अभियोग दर्ज किया गया है। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि जमीर अहमद आरटीओ कार्यालय के पास ह्यजमीर कंप्यूटर सेंटरह्ल नाम से दुकान चलाता था। यहां ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन बीमा और आरसी से संबंधित ऑनलाइन कार्य कराने के लिए लोग आते थे। इसी दौरान आरोपी ऐसे लोगों को अपने जाल में फंसाते थे, जिन्हें तत्काल हैवी ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत होती थी। आरोपियों द्वारा ग्राहकों का डेटा जुटाकर कंप्यूटर सिस्टम की मदद से मूल ड्राइविंग लाइसेंस की हूबहू नकल तैयार की जाती थी। इसके बाद फर्जी लाइसेंस ग्राहकों को देकर उनसे मनमानी रकम वसूली जाती थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी दिन में ऑनलाइन सेवाएं देने के बहाने ग्राहकों का विश्वास जीतते और उनकी जानकारी एकत्र करते थे। इसके बाद रात में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मदद से फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार किए जाते थे। बरामद दो फर्जी स्मार्ट ड्राइविंग लाइसेंस देखने में मूल लाइसेंस जैसे प्रतीत होते हैं। पुलिस के अनुसार, जमीर अहमद के विरुद्ध वर्ष 2025 में भी थाना रविन्द्रनगर धूस में मुकदमा संख्या 121/2025 दर्ज है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील कुमार सिंह, उपनिरीक्षक सूर्यभान यादव, उपनिरीक्षक विनायक यादव सहित थाना पुलिस और साइबर सेल के अन्य कर्मी शामिल रहे।

दीपावली पर पटाखा दुकानदारों को सख्त निर्देश, जाम से निपटने की तैयारी

निर्धारित स्थलों पर ही लगेंगी दुकानें, सुरक्षा उपकरण रखना अनिवार्य; व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर रहेगा प्रतिबंध

इंडिपेंडेंट भारत

पडरौना, कुशीनगर। दीपावली और धनतेरस के मद्देनजर पडरौना में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन अलर्ट है। सदर एसडीएम विवेक कुमार मिश्रा ने पटाखा कारोबारियों और व्यापारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसडीएम ने पटाखा दुकानदारों को प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थलों पर ही दुकानें लगाने का निर्देश दिया। दो दुकानों के बीच कम से कम तीन फीट की दूरी रखना अनिवार्य होगा। प्रत्येक दुकानदार को अग्निशमन सिलेंडर, पानी और बालू से भरी बाल्टियां रखनी होंगी। नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। त्योहारों के दौरान जाम से बचने के लिए रामधाम पोखरा चौराहे सहित प्रमुख मार्गों पर सुबह आठ बजे से रात 11 बजे तक व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए रूट डायवर्जन लागू किया जाएगा। खरीदारों के



वाहनों के लिए उदित नारायण डिग्री कॉलेज के सामने मैदान, सोसाइटी परिसर और सिंधुआ मार्ग पर पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। बैठक में बाजारों की सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी और अतिक्रमण रोकने पर भी चर्चा हुई। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर राकेश प्रताप सिंह, शहर कोतवाल ओमप्रकाश तिवारी, तहसीलदार देवेंद्र यादव, नायब तहसीलदार राजेश कुमार, वरिष्ठ कानूनगो श्रीनिवास प्रसाद, व्यापार मंडल के पदाधिकारी और व्यापारी मौजूद रहे।

बिहार का युवक देवरिया में पांच चोरी की बाइकों के साथ गिरफ्तार



विनय कुमार गुप्ता

देवरिया। शहर में बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती देने वाले एक युवक को कोतवाली पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। बरामद बाइकों में तीन मोटरसाइकिलें देवरिया के अलग-अलग थानों में दर्ज चोरी के मुकदमों से जुड़ी मिली हैं। पुलिस के अनुसार, बरियारपुर थाना क्षेत्र के चकरवा धूस निवासी विवेकानंद द्विवेदी ने 19 सितंबर को तिलक रोड स्थित अजय फार्मा के सामने से अपनी हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान 3 नवंबर को पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने चीनी मिल ग्राउंड के किनारे से बिहार के सिवान जिले के मैरवा निवासी मुहम्मद अफ्फान उर्फ मासूम (24) को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पांच मोटरसाइकिलें बरामद की गईं।

फर्जी शिकायतों से मतदाताओं का नाम सूची से कटवाने पर सपा ने उठाई आवाज

- विधान सभा क्षेत्र तरबगंज

गोण्डा। जनपद के 299 विधानसभा क्षेत्र तरबगंज में फर्जी शिकायत कर वैध मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटवाने के खिलाफ समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व पदाधिकारियों ने आवाज उठाई है। पार्टी के पूर्व प्रत्याशी रामभजन चौबे एवं अन्य आधा दर्जन पदाधिकारियों ने एसडीएम को मांगपत्र देकर विधानसभा क्षेत्र के कुछ लोगों द्वारा प्रारूप -11 से फर्जी शिकायत कर वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटवाने की उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई है। सपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य विजय कुमार सिंह उर्फ टिंटू सिंह व कृष्ण कुमार तिवारी केटी तिवारी व उपाध्यक्ष दिनेश यादव , विवेक कुमार सिंह बाबा के हस्ताक्षर से मंगलवार को पूर्वाह्न उप जिलाधिकारी तरबगंज को दिए गए मांगपत्र में सपा नेताओं ने कहा है कि तरबगंज विधानसभा क्षेत्र में चल रही मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण



प्रक्रिया एसआईआर में राजनीतिक द्वेष वश कुछ लोग प्रारूप - 11 से फर्जी शिकायत कर पीढ़ी दर पीढ़ी रह रहे वैध मतदाताओं के नाम सूची से कटवाने का प्रयास कर रहे हैं। मांगपत्र में सपा नेताओं ने मांग किया है कि प्रारूप 11 की प्रत्येक शिकायतों की उच्च स्तरीय जांच करायी जाए और जांच पूरी होने से पूर्व नाम किसी भी कीमत पर न हटाए जाएं। सपा नेताओं ने शिकायत के फराजी पाए जाने पर शिकायतकर्ता के विरुद्ध भारत निर्वाचन आयोग के लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1960 की धारा - 31 के अधीन समुचित दंडात्मक कार्यवाही की जाए। सपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज चौबे ने मांगपत्र की जानकारी देते हुए बताया कि विधान सभा क्षेत्र तरबगंज में भारी संख्या में फर्जी शिकायतों पर मतदाताओं के नाम सूची से हटवाने के किसी भी प्रयास पर सपा कार्यकर्ता मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। मांगपत्र देते समय देवमणि तिवारी, अंकुर मणि तिवारी,रिंटू सिंह, धर्मेंद्र तिवारी, सौरभ पांडे, अंकित पांडे, दिलीप पांडे, प्रमोद चौबे, रोहित चौबे, आदि सपा के कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा में ग्राहकों की परेशानी, महीनों से नहीं हो रही केवाईसी

खाता होल्ड रहने से नहीं निकल रहा पैसा, ग्राहकों ने बीडीओ से की शिकायत

कृष्णानंद मिश्र मधुबनी

पश्चिमी चंपारण। मधुबनी प्रखंड मुख्यालय स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में ग्राहकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैंक में रोजाना पहुंचने के बावजूद कई ग्राहकों का काम नहीं हो पा रहा है। किसी का खाता होल्ड है तो किसी की निकासी रुकी हुई है। वहीं, कई ग्राहक महीनों से केवाईसी कराने के लिए बैंक का चक्कर लगा रहे हैं।

बुधवार को बैंक पहुंचे ग्राहक इसरावती देवी, राधा कुशवाहा, दिनेश कुमार, फैयाद गद्दी, वाजिद मियां और ज्ञांती देवी ने बताया कि उनका खाता होल्ड है। केवाईसी फॉर्म भरकर कई महीने पहले जमा कर दिया गया है, लेकिन अब तक खाता चालू नहीं हुआ है। वहीं, कुछ ग्राहकों ने बताया कि वे कई दिनों से खाते से पैसा निकालने के लिए बैंक आ रहे हैं, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से उन्हें वापस लौटा दिया जाता है। ग्राहकों ने बैंक मैनेजर पर टालमटोल करने



और उनके साथ ठीक व्यवहार नहीं करने का आरोप लगाया। परेशान ग्राहकों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से भी शिकायत की है। इस संबंध में बीडीओ कुंदन कुमार ने बताया कि ग्राहकों की समस्या के समाधान के लिए प्रयास किया जा रहा है। वहीं, बैंक मैनेजर विवेक कुमार ने मीडिया से बात करने से मना कर दिया। हालांकि, उन्होंने बताया कि यूपीईएस खराब होने के कारण बैंकिंग कार्य प्रभावित है।

काली पट्टी बांधकर शिक्षकों ने जताया विरोध, 30 मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान



विनय कुमार गुप्ता

रुद्रपुर (देवरिया)। लंबित मांगों को लेकर अब शिक्षकों का आक्रोश भी सामने आने लगा है। बुधवार को स्थानीय रामजी सहाय पीजी कॉलेज के शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर सरकार के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ (फुपुक्टा) के आह्वान पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में शिक्षकों ने साफ संदेश दिया कि वर्षों से लंबित मांगों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिक्षकों का कहना था कि सरकार एक ओर शिक्षा की गुणवत्ता और उच्च शिक्षा के विकास की बात करती है, वहीं दूसरी ओर महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की बुनियादी समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। पुरानी पेंशन की बहाली, अनुदानित महाविद्यालयों में स्ववित्तपोषित शिक्षकों का विनियमितीकरण, ऑनलाइन स्थानांतरण की सुविधा और अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की बाध्यता समाप्त करने जैसी मांगें अब तक पूरी नहीं हुई हैं।

इसके अलावा पीएचडी पर वेतन वृद्धि (इंक्रीमेंट), शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष करने सहित कुल 30 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों ने आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

प्रदर्शन के दौरान महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, गुआक्टा प्रतिनिधि शरद वर्मा, अनुमोदित शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार पाण्डेय, डॉ. आनंद मोहन, बृजेश प्रजापति, डॉ. नरेंद्र शर्मा, मनीष कुमार, गौरव पाण्डेय, डॉ. अशोक सिंह, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. पूनम मिश्रा, डॉ. दिव्या त्रिपाठी और सुधीर दीक्षित सहित अन्य प्राध्यापक मौजूद रहे। शिक्षकों के इस सांकेतिक विरोध ने साफ कर दिया है कि 30 सूत्रीय मांगों को लेकर अब आवाज महज ज्ञापन तक सीमित नहीं रहने वाली है।

दीपावली के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की चार तहसीलों में छापेमारी, 65 किलो दूषित मिठाई नष्ट



विनय कुमार गुप्ता

देवरिया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निदेशों के क्रम में आगामी दीपावली पर्व पर शुद्ध मिठाइयां एवं अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जनपद की रुद्रपुर, बरहज, भाटपार रानी एवं सलेमपुर तहसीलों में एक साथ छापेमारी की गई। सभी तहसीलों में उपजिलाधिकारियों एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा मिठाई निर्माण एवं बिक्री के कुल आठ प्रतिष्ठानों से मिठाई के आठ नमूने लेकर जांच हेतु भेजे जा रहे हैं। सलेमपुर एवं भाटपार रानी में दूषित मिठाई की बिक्री पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीराम यादव द्वारा कुल 65 किलोग्राम, लगभग 16 हजार रुपये मूल्य की दूषित मिठाई नष्ट कराई गई। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा हितेंद्र मोहन त्रिपाठी ने बताया कि त्योहार नजदीक होने के कारण विभाग सतर्क है तथा अभिसूचना आधारित कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेहा त्रिपाठी, श्रीराम यादव, घनश्याम वर्मा एवं प्रेमचंद शामिल रहे।

यातायात नियमों की अनदेखी पर पुलिस सख्त, 156 वाहनों का चालान, दो सीज

विनय कुमार गुप्ता।

देवरिया। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए बुधवार को यातायात पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर के निर्देशन में कोऑपरेटिव चौराहा, रोडवेज बस स्टैंड और गोरखपुर मार्ग पर वाहनों की जांच की गई। कोऑपरेटिव चौराहे पर बिना हेलमेट, तीन सवारी और दोषपूर्ण नंबर प्लेट वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। चारपहिया वाहनों के शीशों पर लगी काली फिल्म भी उतरवाई गई। रोडवेज बस स्टैंड पर



सड़क पर वाहन खड़ाकर सवारी बैठाने और उतारने वालों के खिलाफ कार्रवाई हुई। वहीं, गोरखपुर मार्ग पर इंटरसेप्टर वाहन से तेज रफ्तार वाहनों की जांच कर चालान किया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 156 वाहनों का चालान किया गया, जबकि दो वाहनों को सीज किया गया। पुलिस ने वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने और यातायात बाधित न करने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

ऑटो की ईएमआई को लेकर भाई ने बहन को डंडे से पीटा

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र के पुराहीखेड़ा खांड़देव गांव में ऑटो की ईएमआई को लेकर हुए विवाद में एक महिला ने अपने सगे छोटे भाई पर डंडे से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता मंजू यादव के मुताबिक, वह दो नवंबर को अपने मायके आई थी। इसी दौरान भाई अवसान यादव और मां ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर भाई ने डंडे से उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसे चोटें आईं। पीड़िता का आरोप है कि उसका ऑटो भी भाई ही चला रहा था। उसने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

75 वर्षीय बुजुर्ग महिला से मारपीट, हालत गंभीर

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में विष्णुलोक कॉलोनी में 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने अपनी बहू पर जान से मारने की नीयत से मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता उमा यादव के अनुसार, 26 अक्टूबर को दोपहर करीब 2:45 बजे उनकी बहू गगनप्रीत कौर विर्दी ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं और रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर जैसी चोट होने की बात कही गई है। पीड़िता का कहना है कि घटना के बाद से वह अस्पताल में भर्ती हैं और चलने-फिरने के साथ दैनिक कार्य करने में भी असमर्थ हैं। दो नवंबर को उन्होंने थाने में तहरीर देकर बहू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पति समेत ससुरालीजन पर गंभीर आरोप, रिपोर्ट दर्ज

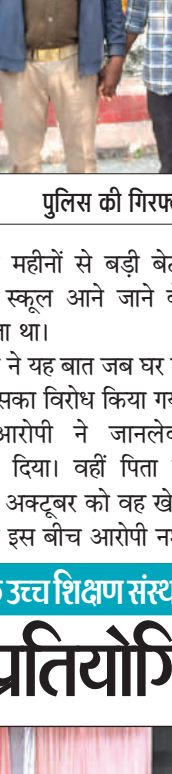
सरोजनीनगर। सरोजनीनगर गंगानगर निवासी एक विवाहिता ने अपने पति समेत आठ ससुरालीजनों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पीड़िता विनीता के मुताबिक, उसका विवाह 14 फरवरी 2010 को विनोद कुमार से हुआ था। आरोप है कि पति नशे का आदी है और ससुरालीजन आए दिन उसे परेशान करते हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि दो अप्रैल को पति ने उन्नाव स्थित गांव के घर में फुकनी से उसकी पिटाई की, जबकि 19 मई को भी बाल पकड़कर लात-घूंसों से मारा। उसने नंदोई पर भी अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि उसके दोनों नाबालिग बेटों को पति और ननद अपने साथ ले गए हैं और उसे उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। 31 जुलाई को दी गई तहरीर में उसने पति, ससुर, ननदों समेत अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बीकेटी सीलिंग जमीन विवाद, आरोप निराधार : यशवीर



लखनऊ। बीकेटी क्षेत्र में गाटा संख्या 810, 825 और 92 की सीलिंग जमीन को लेकर कथित खरीद-फरोख्त और प्लॉटिंग का मामला चर्चा में है। आरोप है कि हाईकोर्ट के यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के बावजूद जमीन से जुड़ी गतिविधियां हुईं। इस मामले में युग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी सामने आया है। कंपनी के संचालक यशवीर लोधी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित आरोपों को निराधार बताया है। वहीं, मामले को लेकर राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर जिलाधिकारी और एसडीएम से जमीन की मूल सीलिंग पत्रावली, रजिस्ट्री, दाखिल-खारिज और न्यायालय के आदेशों के अनुपालन की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की जा रही है। फिलहाल आधिकारिक जांच और राजस्व विभाग की रिपोर्ट का इंतजार है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत



सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र के लोनहा गांव के पास मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से करीब 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुल्तानपुर निवासी बृजलाल पुत्र रामजग के रूप में हुई है। वह रोजगार के सिलसिले में लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस से मुंबई जा रहा था। उसके साथ दो दोस्त भी मौजूद थे। हादसे की सूचना दोस्तों ने परिजनों को दी। परिजनों की सूचना पर जीआरपी ने तलाश शुरू की और शाम करीब 4:30 बजे रेलवे ट्रैक के पास युवक का शव बरामद किया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

प्रयागराज में पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद का आगाज, राज्यपाल आनंदीबेन ने कहा - समस्याओं में ही छिपे हैं स्टार्टअप के बड़े अवसर

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में बुधवार को पूर्वांचल स्टार्टअप संवाद-2026 का भव्य आयोजन किया गया। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वैदिक मंगलाचरण के साथ किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की नवीन शैक्षिक सुविधाओं का लोकार्पण और स्टार्टअप प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।कार्यक्रम में कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया। विशेष कार्याधिकारी डॉ. सुधीर एम. बोबडे ने कहा कि नीति के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दिया जा सकता है और काशी, अयोध्या, मथुरा जैसे धार्मिक नगरों में टूरिज्म को स्टार्टअप से जोड़ना समय की मांग है। ए.के.टी.यू. के कुलपति प्रो. जे.पी. पांडेय ने कहा कि आज के गूगल, एप्पल और व्हाट्सएप जैसे बड़े प्लेटफॉर्म कभी स्टार्टअप के रूप में ही शुरू हुए थे।तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों ने युवाओं का मार्गदर्शन किया। डॉ. अभय जेरे ने डिजाइन थिंकिंग और फेल फास्ट की अवधारणा पर जोर दिया, वहीं यूपी स्टार्टअप मिशन के सीईओ सुमित महाजन ने डीप टेक स्टार्टअप के लिए 40 करोड़ तक के फंड और सरकारी प्रोत्साहनों की जानकारी दी। प्रो. एस.पी. मिश्र ने हर कॉलेज में इन्क्यूबेशन सेंटर की जरूरत बताई।

समापन सत्र में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनो। उन्होंने गुजरात और महाराष्ट्र के जल संकट के उदाहरण देकर बताया कि स्थानीय समस्याएं जैसे जल, कचरा और कृषि ही सबसे अच्छे स्टार्टअप आइडिया बन सकते हैं। आइडियाथॉन विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और ए.के.टी.यू. के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।

रंगीले महाराज बोले - राम-सीता के त्याग और मयार्दा से सीखे युवा, संस्कार ही बनाएंगे बेहतर भविष्य

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



शंकरगढ़, प्रयागराज। विश्व मानव कल्याण परिषद के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार मिश्र उर्फ रंगीले महाराज ने कहा कि आज के दौर में आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान बनाना सबसे बड़ी चुनौती और जरूरत है। युवा अगर भगवान श्रीराम और माता सीता के आदर्शों को जीवन में उतार लें तो उन्हें सफलता की राह में कभी भटकना नहीं पड़ेगा।उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ने राजपाट और सुख-सुविधाओं को त्याग कर वनवास स्वीकार किया और मयार्दा, धर्म और कर्तव्यनिष्ठा की अद्भुत मिसाल पेश की। वहीं माता सीता ने हर कठिन परिस्थिति में त्याग, समर्पण और सहनशीलता का परिचय दिया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि संघर्ष और त्याग के बिना बड़ी सफलता नहीं मिलती। जो व्यक्ति धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलता है, वह कठिन से कठिन परिस्थिति में भी अपने लक्ष्य से नहीं भटकता।रंगीले महाराज ने अपने जीवन के संघर्षों को साझा करते हुए बताया कि एक समय था जब वह एक सामान्य परिवार से आते थे और संसाधनों का अभाव था। लेकिन 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन और विश्व भ्रमण के दौरान उन्हें यह एहसास हुआ कि समाज में धर्म, संस्कार और मानव सेवा से बड़ी कोई पूंजी नहीं है। भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाकर ही उन्होंने संघर्ष के रास्ते से अपनी पहचान बनाई और रंगीले मिश्र से रंगीले महाराज बने।उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल खुद की पहचान बनाना नहीं, बल्कि समाज में मानवता और संस्कारों की अलख जगाना है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने माता-पिता का सम्मान करें, अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें और मानव सेवा को ही जीवन का सबसे बड़ा धर्म मानें। यही संस्कारवान समाज ही आने वाले बेहतर भविष्य की नींव रखेगा।

तहसील मे अनियमितता को लेकर बार एसोसिएशन ने मंडलायुक्त से की शिकायत

रुद्रपुर-देवरिया। तहसील रुद्रपुर में कथित अनियमितता एवं भ्रष्टाचार का आरोप लगा तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यानंद पांडेय और महामंत्री विनोद पाठक के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने मंडलायुक्त गोरखपुर को शिकायती पत्र भेजकर तहसीलदार सहित संबंधित कर्मचारियों के कार्य व्यवहार की जांच कराने की मांग की है। शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि तहसील के आरके/एआरके कार्यालय एवं कंप्यूटर कक्ष में कार्यरत कुछ कर्मचारियों के माध्यम से अवैध वसूली और अनियमितताएं की जा रही हैं। अधिवक्ताओं का कहना है कि इस संबंध में पूर्व में भी कई बार जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों को लिखित शिकायत दी गई, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। बार एसोसिएशन ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर अधिवक्ता आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे। बैठक में रामेश्वर मणि, पंकज कुमार शुक्ला, कृष्णमूर्ति मणि, सत्य प्रकाश गुप्ता, वशिष्ठ नारायण पांडे, अशफाक अहमद, रमेश चंद्र मणि परमहंस यादव, राजेश्वरी मिश्रा, फणीन्द्र नाथ पांडे, सुधांशु मौलि ओझा, धीरज कुमार सिंह, विश्व विजय मल्ल और चंद्रेश कुमार गौतम आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

मोबाइल और मंगलसूत्र छिनैती का खुलासा, दो शातिर गिरफ्तार; बाइक समेत नकदी और मोबाइल बरामद

विनय कुमार गुप्ता



देवरिया। शहर और आसपास के इलाकों में मोबाइल और मंगलसूत्र छीनकर फरार होने वाले दो आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से दो मोबाइल फोन, मंगलसूत्र बेचने के बाद बची पांच हजार रुपये की नकदी और वारदात में इस्तेमाल पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 30 सितंबर को मालवीय रोड निवासी अमन का आईफोन मोटरसाइकिल सवार बदमाश छीनकर फरार हो गया था। वहीं, 27 अक्टूबर को गौरी बाजार से रुद्रपुर मार्ग पर संगीता देवी के गले से बाइक सवार दो युवकों ने मंगलसूत्र छीन लिया था। दोनों मामलों में संबंधित थानों में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान मिले सुरागों के आधार पर कोतवाली पुलिस ने सुरौली थाना क्षेत्र के नगउर गांव में दबिश देकर मुलायम निषाद (20) और निलेश निषाद (22) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से वीवो और सैमसंग के दो मोबाइल फोन, पांच हजार रुपये नकद और पल्सर ठर160 मोटरसाइकिल बरामद की। पुलिस के मुताबिक, बरामद नकदी मंगलसूत्र बेचने से मिली रकम का शेष हिस्सा है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शशिभूषण राय, उपनिरीक्षक रवीन्द्र नाथ चौबे, हेड कांस्टेबल राहुल यादव, कांस्टेबल पंकज शुक्ला और श्रवण यादव शामिल रहे।

भाजपा का अराजकता के खिलाफ अभियान सरकार की नाकामी का प्रमाण : हरेंद्र सिंह त्यागी

विनय कुमार गुप्ता

देवरिया। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह त्यागी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है कि सत्ता में बैठी पार्टी ही लोकतंत्र बचाने और अराजकता के खिलाफ सड़क पर आंदोलन कर रही है। यह सीधे तौर पर सरकार की नाकामी को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सहित पूरा विपक्ष पहले से ही भाजपा सरकार की विफलताओं को उजागर करता रहा है। भाजपा का यह देशव्यापी अभियान इस बात का प्रमाण है कि सरकार के भीतर ही अराजकता का माहौल व्याप्त है। इससे मुक्ति पाने के लिए सरकार को सत्ता छोड़नी पड़ेगी। त्यागी ने आगे कहा कि दिल्ली में विपक्ष की रैली के दौरान भाजपा को व्यापारियों के कारोबार और उनके हितों की चिंता सता रही थी, लेकिन आज गोरखपुर में रैली करके वही भाजपा त्योहारों के सीजन में आम जनता और व्यापारियों को परेशानी में डाल रही है। इसे भाजपा का दोहरा मापदंड बताते हुए उन्होंने जनता से इसके प्रति जागरूक होने की अपील की।

छेड़छाड़ से तंग नाबालिग छात्रा ने की आत्महत्या

- लिखित शिकायत के बाद भी कर्रवाई नहीं, आरोपी के थे हौसले बुलंद

■ मलिहाबाद



पुलिस की गिरफ्त में आरोपी हंस कुमार

सोमवार को मलिहाबाद थाना क्षेत्र में मनचले की छेड़छाड़ से तंग आकर नाबालिग छात्रा ने आत्महत्या कर ली। इस मामले में लापरवाही बरतने में दोषी पाए जाने वाले चौकी इंचार्ज को तत्काल सस्पेंड कर पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केश दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को मंगलवार को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

मलिहाबाद के रमगढ़ा निवासी राम लखन ने बताया कि वह अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ रहते हैं और बेटे बाहर काम करते हैं। आरोप है कि पड़ोस का रहने वाला मनचला हंस कुमार पिछले कई महीनों से बड़ी बेटी शकुन को स्कूल आने जाने के दौरान छेड़ता था।

किशोरी ने यह बात जब घर में बताई तो इसका विरोध किया गया जिसपर आरोपी ने जानलेवा हमला कर दिया। वहीं पिता ने बताया 13 अक्टूबर को वह खेत चले गए थे इस बीच आरोपी नशे में धुत होकर उनके घर में घुस गया और बेटी के साथ छेड़खानी करने लगा। विरोध किया तो पीटा और जान से मार डालने की धमकी देने लगा।

आरोपी से तंग आकर पीड़ित ने उसी दिन चौकी कसमंडी पर लिखित शिकायत की जिसपर पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। इससे मनचले के हौसले और बुलंद हो गए। आय दिन की छेड़छाड़ व प्रताड़ना से तंग आकर सोमवार को छात्रा ने अपने ही घर में फांसी के फंदे पर झूल कर आत्महत्या कर ली।

लापरवाही बरतने में चौकी प्रभारी निलंबित

सोमवार को जब मामला उजागर हुआ तो मासूम की जान जाने के मामले में पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई। लोगों ने बताया अगर पुलिस ने पहले ही आरोपी पर कार्यवाही कर दी होती तो छात्रा ने आत्महत्या न की होती। मामले में जांच हुई और चौकी प्रभारी विवेक दोषी पाए गए जिन्हें तत्काल निलंबित कर पिता की तहरीर पर केश दर्ज करते हुए आरोपी हंस कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। मंगलवार को आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

सरस्वती शिशु मंदिर में दीपोत्सव और गरबा की धूम



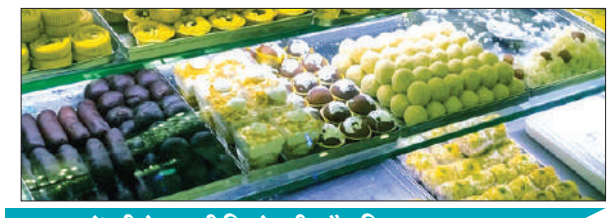
लखनऊ। अर्जुनगंज स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में मंगलवार को दीपोत्सव एवं गरबा उत्साहपूर्वक मनाया गया। विद्यार्थियों ने रंगोली सजाई और दीप जलाए। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा देने के विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता गिरिजा देवी ने की। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक और गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र पांडेय ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

नकली मिठाइयों का कारोबार बेखौफ चढ़ रहा परवान

निर्माण-एक्सपायरी तिथि का बोर्ड गायब

- नियम की अनदेखी कर ग्राहकों की सेहत से खिलवाड़ का आरोप

■ सरोजनीनगर



ग्राहकों की सेहत की जिम्मेदारी कौन निभाएगा

त्योहारों पर मिठाइयों की बिक्री से लाखों रुपये का कारोबार होने के बावजूद ग्राहकों की सेहत की जिम्मेदारी कौन निभाएगा, क्या खाद्य विभाग केवल कागजों पर नियम लागू कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेगा या सरोजनीनगर और आसपास के बाजारों में दुकानों की जांच कर मिलावटखोरों और नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई भी करेगा?

सरोजनीनगर और आसपास के बाजारों में त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ नकली और मिलावटी मिठाइयों का कारोबार भी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

दुकानों पर मिठाइयों के सामने निर्माण तिथि और उपयोग की अंतिम तिथि का बोर्ड नहीं लगाए जाने से ग्राहकों को उनकी वास्तविक ताजगी की जानकारी नहीं मिल पा रही है। नियमों के अनुसार 15 अक्टूबर 2026 से निर्माण और उपयोग की अंतिम तिथि प्रदर्शित करना अनिवार्य बताया गया है, लेकिन कई दुकानों पर इसका पालन नहीं दिख रहा है।

दीपावली और भैयादूज के चलते अमौसी, गौरी, ट्रांसपोर्टनगर, बिजनौर, स्कूटर इंडिया चौराहा, जुनाबगंज और रहीमनगर समेत कई इलाकों में मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ है। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों में जांच के नाम पर अनावश्यक परेशानियां और अवैध वसूली नहीं होनी चाहिए। वहीं ग्राहकों की मांग है कि खाद्य सुरक्षा विभाग नियमित जांच करे और मिलावट करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करे। मिठाइयों की गुणवत्ता और ताजगी की जिम्मेदारी तय करना जरूरी है, ताकि त्योहारों की खुशियां लोगों की सेहत पर भारी न पड़ें।

20 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने 22 सांस्कृतिक स्पर्धाओं में दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

युवा सांस्कृतिक प्रतियोगिता दिव्यांकुर-2026 में मेधावी सम्मानित

- संस्कार और कौशल से समृद्ध युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण का आधार : योगेंद्र उपाध्याय

■ लखनऊ



सम्मानित मेधावियों के साथ उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय।

जय नारायण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय (केकेसी) में 24वीं वार्षिक अंतर महाविद्यालयी युवा सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'दिव्यांकुर-2026' का मंगलवार को पुरस्कार वितरण हुआ। चार दिवसीय इस सांस्कृतिक महाकुंभ के समापन समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सहभागिता कर विभिन्न स्पर्धाओं के विजयी छात्र-छात्राओं को पदक, प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किए।

समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष गोपाल नारायण मिश्र ने की तथा सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि संस्कार और कौशल से समृद्ध युवा शक्ति ही प्रबुद्ध, समर्थ और आदर्श समाज का निर्माण करती है, जो राष्ट्रहित में अपना सर्वोत्तम योगदान देता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में ऐसे अनेक व्यावहारिक व नवाचारी प्रावधान समाहित किए गए हैं, जो राष्ट्र और समाज के दीर्घकालिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण तथा युवाओं के सर्वांगीण उन्नयन को पोषित करते हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे स्वयं को किसी न किसी कला विधा से अवश्य जोड़ें, क्योंकि कला व्यक्ति को पशुता से मानवता की ओर ले जाकर एक सभ्य एवं संवेदनशील समाज की रचना में सहायता करती है। उन्होंने कहा कि संस्कारविहीन युवा दिशाहीन हो जाते हैं, जबकि सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

विशिष्ट अतिथि इतिहासकार एवं अभिनेता डॉ.रवि भट्ट ने महाविद्यालय के पूर्व छात्र के रूप में अपने संस्मरण साझा करते हुए छात्र-छात्राओं को भाषा, व्याकरण और संवाद कुशलता में पारंगत होने की सीख दी। उच्च शिक्षा के संयुक्त निदेशक प्रो. बी.एल. शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा के लिए अधिक से अधिक युवाओं को महाविद्यालयों तक पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है। सांस्कृतिक समिति की संयोजक प्रो. अलका शर्मा ने बताया कि प्रतिकूल मौसम के बावजूद 20 से अधिक विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने 22 विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह से भाग लिया। आरंभ में प्राचार्य प्रो. के.के. शुक्ल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रो. वंदना सिंह ने आभार ज्ञापित किया। संचालन डॉ. विजय राज श्रीवास्तव ने किया। लुआक्टा अध्यक्ष प्रो. मनोज पांडेय सहित महाविद्यालय के शिक्षक, सांस्कृतिक समिति के सदस्य एवं भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केजीएमयू के आधा दर्जन डॉक्टरों का एरा में निवेश

- एसटीएफ की जांच रिपोर्ट में आर्थिक नेटवर्क का जिक्र, बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष अब एरा के कुलपति

■ लखनऊ।



केजीएमयू के कन्वर्जन और लव जिहाद मामले की जांच में अब डॉक्टरों के आर्थिक संबंध भी सामने आए हैं। एसटीएफ की जांच रिपोर्ट में एरा मेडिकल यूनिवर्सिटी में केजीएमयू के करीब आधा दर्जन डॉक्टरों के निवेश का मामला सामने आया है। इनमें कई डॉक्टर मुस्लिम समुदाय से बताए जा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार बायोकेमिस्ट्री विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. अब्बास अली मेहंदी ने केजीएमयू से छुट्टी लेकर एरा मेडिकल कॉलेज ज्वाइन किया था। वर्तमान में वह एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति हैं। एरा से जुड़ने के बाद केजीएमयू के दूसरे डॉक्टरों के भी इस संस्थान में आर्थिक निवेश की बात सामने आ रही है। एसटीएफ की रिपोर्ट में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मेडिकल संस्थानों के संपर्कों का भी उल्लेख है। इसमें डॉक्टरों के निजी संस्थानों से जुड़ाव, आर्थिक निवेश और भूमिका की जानकारी शामिल है। रिपोर्ट के आधार पर शासन ने केजीएमयू प्रशासन को संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

केजीएमयू में छह साल की बच्ची की मौत पर हंगामा

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में आरोही (6) की मौत के बाद परिजन ने हंगामा किया। उन्होंने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल प्रशासन पर भी सवाल उठाए। जानकारी के मुताबिक, बाराबंकी निवासी आरोही को 27 सितंबर को गुलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। करीब डेढ़ महीने से उसका इलाज चल रहा था। परिजन का आरोप है कि वेंटिलेटर से हटाकर वार्ड में शिफ्ट करने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। डॉक्टरों के अनुसार, हालत में सुधार के बाद 21 अक्टूबर से वेंटिलेटर हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। सोमवार लगभग सुबह 6 बजे बच्ची को सांस लेने में परेशानी हुई। डॉक्टरों ने दो से तीन घंटे तक बचाने का प्रयास किया लेकिन उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने उल्टी के दौरान भोजन सांस की नली में जाने की आशंका जताई। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हुई।

दीपोत्सव-2026 विशेष : रामायण के प्रसंगों से सजेगी अयोध्या, दीवारों पर जीवंत होगी त्रेतायुग की झलक



रामनगरी को भव्य और दिव्य स्वरूप देने की तैयारियां तेज

- दीपोत्सव के दशक को यादगार बनाने के लिए रामकथा पार्क से लता मंगेशकर चौक तक चल रहा चित्रांकन

■ अयोध्या

दसवें दीपोत्सव-2026 पर रामनगरी को भव्य और दिव्य स्वरूप देने की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप अयोध्या को राममय बनाने के लिए शहर की दीवारों पर रामायण के प्रसंगों और धार्मिक कलाकृतियों को उकेरा जा रहा है। अयोध्या नगर निगम की ओर से रामकथा पार्क से लेकर लता मंगेशकर चौक के आसपास तक दीवारों को आकर्षक चित्रों से सजाया जा रहा है। इन चित्रों में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों के साथ पारंपरिक दीपों की आकृतियां भी बनाई जा रही हैं। रंगों और कूची के जरिए कलाकार रामायण की गाथा को दीवारों पर जीवंत कर रहे हैं, ताकि दीपोत्सव में अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को त्रेता युग की सांस्कृतिक झलक देखने को मिले।

दीवारों पर उभरेंगे रामायण के प्रसंग, दीपोत्सव का संदेश भी : रामनगरी की दीवारों पर भगवान श्रीराम, माता सीता और रामायण के अन्य प्रमुख पात्रों के चित्र बनाए जा रहे हैं। इनके साथ पारंपरिक दीपों की सुंदर आकृतियां भी उकेरी जा रही हैं। अयोध्या नगर निगम की ओर से दीपोत्सव अयोध्या-2026 का संदेश देते हुए स्वागत संबंधी आकर्षक चित्रांकन भी कराया जा रहा है। रात के समय रोशनी के बीच ये कलाकृतियां शहर की सुंदरता को और निखार रही हैं।

चित्रों के जरिए नई पीढ़ी तक पहुंचेगी रामायण की विरासत : दीपोत्सव में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए अयोध्या को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। नगर निगम का प्रयास है कि रामनगरी में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की नगरी की सांस्कृतिक विरासत और त्रेता युग की गौरवशाली परंपराओं का अहसास हो। दीवारों पर बनाए जा रहे चित्रों के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ नई पीढ़ी को भी भगवान श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन दर्शन से परिचित कराया जा रहा है।

पॉक्सो व एससीएसटी एक्ट में आरोपी गिरफ्तार

बाराबंकी। फतेहपुर थाना क्षेत्र के फैय्याजपुरा निवासी मुजीब खान पुत्र मेंहदी हसन को पुलिस ने पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट के गंभीर मुकदमे में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी के खिलाफ बीएनएस, पॉक्सो एक्ट और एससी एसटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज है। पुलिस के मुताबिक, 3 नवंबर को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ वर्ष 2023 में भी फतेहपुर थाने में आर्म्स एक्ट की धारा के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था।गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी अमित प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक अभय कुमार मौर्य, हेड कांस्टेबल अब्दुल हमीद और कांस्टेबल रविदत्त शर्मा शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

दीपोत्सव में दीयों की श्रृंखला सजाएंगे अवध विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक

- 25 बसों से घाटों पर पहुंचेंगे विश्वविद्यालय के युवा स्वयंसेवक
- बुधवार सुबह आठ बजे से शुरू होगा स्वयंसेवकों का प्रस्थान
- विश्व पटल पर नया कीर्तिमान बनाने को तैयार अवध विश्व विद्यालय की टीम

■ अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में होने जा रहे दशक दीपोत्सव को भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां निर्णायक चरण में पहुंच गई हैं। डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक बुधवार सुबह आठ बजे से 25 बसों के माध्यम से दीपोत्सव स्थल के लिए रवाना होंगे। वहां पहुंचने के साथ ही घाटों पर दीये बिछाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। स्वयंसेवक निर्धारित घाटों पर दीप सज्जा की जिम्मेदारी संभालेंगे। कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि युवा स्वयंसेवक इस महापर्व की सबसे मजबूत कड़ी हैं। जब वे घाटों पर दीपों की श्रृंखला सजाएंगे, तो प्रत्येक दीप में उनकी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण की झलक दिखाई देगी। उन्हें विश्वास है कि स्वयंसेवक अपनी मेहनत और सेवाभाव से एक बार फिर विश्व पटल पर नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे और इस ऐतिहासिक आयोजन को गौरवपूर्ण ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

25 बसों के लिए निर्धारित किए गए रूट : यातायात समिति के समन्वयक प्रो. अनूप कुमार के निर्देशन में स्वयंसेवकों के आवागमन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि 25 बसों के लिए निर्धारित मार्ग और समय-सारणी तय कर दी गई है। इसका उद्देश्य सभी स्वयंसेवकों को सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से दीपोत्सव स्थल तक पहुंचाना है।

आईडी कार्ड के साथ समय से पहुंचने के निर्देश

विश्वविद्यालय की ओर से सभी संबंधित स्वयंसेवकों और नोडल अधिकारियों से निर्धारित समय से पहले उपस्थित होने की अपेक्षा की गई है। उन्हें अपना परिचय-पत्र (आईडी कार्ड) साथ लाने और अनुशासन के साथ बसों में निर्धारित स्थान ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

राजनीतिक मुद्दों पर विधायक ने सपा-कांग्रेस को घेरा

अयोध्या। गोसाईगंज विधायक अभय सिंह भाजपा में शामिल होने के बाद सरकारी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। मंगलवार को सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने दीपावली के अवसर पर उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाओं को मुफ्त गैस सिलेंडर रिफिल वितरित किए इस दौरान उन्होंने कहा कि अयोध्या का दीपोत्सव हर साल नई ऊंचाइयां छू रहा है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की वजह से स्थानीय व्यापारियों को भी लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि दीपोत्सव के दौरान आयोजित ड्रोन शो को नौ नवंबर को दोबारा कराने पर चर्चा चल रही है। अनुमति मिलने पर अयोध्यावासी फिर इस आकर्षक आयोजन का आनंद ले सकेंगे। राजनीतिक सवालों पर अभय सिंह ने ओमप्रकाश राजभर का समर्थन करते हुए उन्हें दलितों, पिछड़ों और वंचितों की आवाज उठाने वाला नेता बताया। उन्होंने सपा पर राजभर की छवि खराब करने का आरोप लगाया। अखिलेश यादव के भाजपा की जमीन खिसकने संबंधी बयान पर भी पलटवार किया। वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस को घेरते हुए उन्होंने सरदार पटेल और जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव का जिक्र किया। राम मंदिर में चंदा चोरी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि लोगों ने स्वेच्छा से सहयोग दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर मुख्यमंत्री स्वयं तैयारियों की निगरानी करते हैं।

चेकिंग में 220 वाहनों के चालान, 4.45 लाख जुर्माना

अमेठी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मंगलवार को पुलिस ने अभियान चलाया। इस दौरान 220 वाहनों का चालान कर 4.45 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। यातायात जागरूकता माह के तीसरे दिन पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। यातायात प्रभारी शोभनाथ राम ने नाबालिगों के वाहन चलाने के खतरों की जानकारी दी। पुलिस ने अभिभावकों से बच्चों को वाहन न देने और हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग करने की अपील की।

घर-घर दस्तक दे रहीं 79 टीमें, 15 तक चलेगा अभियान

संग्रामपुर, अमेठी। संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। सीएचसी संग्रामपुर क्षेत्र में 79 टीमें घर-घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान कर रही हैं। सीएचसी प्रभारी डॉ. संतोष सिंह के अनुसार अभियान 15 नवंबर तक चलेगा। बुखार, डेंगू, मलेरिया, टीबी, कुष्ठ और फाइलेरिया के लक्षण वाले लोगों का ब्योरा ई-कवच पोर्टल पर दर्ज किया जा रहा है। ग्रामीणों को जलभराव रोकने और साफ-सफाई रखने की सलाह दी जा रही है।

'बाप रे बाप' ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया

बाराबंकी। देवा मेला की सांस्कृतिक संध्या में मंगलवार को कृति संस्था की ओर से पद्मश्री केपी सक्सेना लिखित हास्य नाटक 'बाप रे बाप' का मंचन किया गया। निर्देशक सुनील सोनू के निर्देशन में कलाकारों ने हास्य और व्यंग्य का ऐसा रंग जमाया कि दर्शक ठहाके लगाने को मजबूर हो गए।नाटक की कहानी बाबू बद्रीनाथ के अचानक लापता होने से शुरू होती है। बेटा विकास और बहू मीनू उनकी तलाश में अखबार से लेकर रेडियो तक गुहार लगाते हैं और पांच लाख रुपये का इनाम घोषित कर देते हैं। इनाम की लालच में दो लोग अलग-अलग हमशक्लों को बद्रीनाथ बताकर घर पहुंचा देते हैं। इसके बाद असली-नकली पिता को लेकर हास्यास्पद परिस्थितियां पैदा होती हैं। अंतत: बद्रीनाथ खुद घर लौटकर पूरे रहस्य से पर्दा उठा देते हैं।हंसी के बीच नाटक ने परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा, बदलते रिश्तों और लालच पर गंभीर सवाल खड़े किए। कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय और चुटीले संवादों को दर्शकों की खूब सराहना मिली।

जूनियर के छात्र ने रोबोट बनाकर किया सबको हैरान

अंबेडकरनगर। गंगोत्री मोंटेसरी स्कूल दुलहूपुर में कक्षा आठ के छात्र मोहम्मद अयान ने प्रयोगात्मक परीक्षा के दौरान प्रस्तुत मॉडल में अपनी तकनीकी प्रतिभा और रचनात्मक सोच का परिचय देते हुए रोबोट बनाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।अमोला गांव निवासी अयान की कम उम्र में विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि और कुछ नया करने की ललक देखकर विद्यालय के शिक्षक और अन्य विद्यार्थी भी काफी प्रभावित हुए। छात्र ने अपने हुनर के माध्यम से यह दिखाया कि यदि बच्चों को उचित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिले तो वे छोटी उम्र में भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उसका बनाया रोबोट मात्र उसके इशारे पर रिमोट के सहारे चलता नजर आया। अयान के इस प्रयोग को देखकर शिक्षकों ने उसकी मेहनत और लगन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ ही उन्हें किताबी ज्ञान को व्यवहार में उतारने के लिए प्रेरित करते हैं। छात्र की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

कृष्ण ने चूर किया इंद्र का घमंड

आलापुर, अंबेडकरनगर। सुन्दरपुर खालसा मे चल रही संगीतमयी भागवत कथा के पांचवे दिन भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का मनोहारी चित्रण कर कथा वाचक आचार्य राकेश त्रिपाठी ने लोगों को भाव विभोर कर दिया। जमकर थिरके। मुख्य यजमान राम जनम गोस्वामी ने भगवान को 56 भोग समर्पित कर श्रद्धा के साथ पूजा अर्चना किया गया। आचार्य राकेश त्रिपाठी ने धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। पूतना वध, मिट्टी खाकर माता को ब्रह्माण्ड के दर्शन कराने, कालिया नाग से मुक्ति, गोकुल के मित्रो के साथ गौ चराना,गोपियों के साथ खेलना मटकी फोड़ना और मक्खन चोरी कर मित्रो को खिलाना मां यशोदा को अपनी गलती से बचने हेतु उलाहना देना जैसे प्रसंग को बहुत ही मार्मिक चित्रण किया। श्री त्रिपाठी ने कहा कि घमण्ड कभी नहीं करना चाहिए घमंड प्रभु का आहार है। गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाकर मथुरा वासियों की रक्षा करते हुए इंद्रदेव का घमंड श्रीकृष्ण ने चूर चूर कर दिया। कथा में सैकड़ों की संख्या में आए महिला, पुरुष श्रद्धालु हरे राधा-कृष्ण के उदघोष के साथ भाव विभोर हो गए।

बिजली का तार टूटने से सैकड़ों घरों में छाया अंधेरा

संग्रामपुर, अमेठी। बिजली विभाग की लापरवाही से ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ी। मंगलवार सुबह शुकुलपुर फीडर की बदलापुर-मड़ौली मार्ग पर एलटी लाइन टूट गई। इससे सैकड़ों घरों की आपूर्ति बाधित हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी शाम तक मरम्मत नहीं हुई। क्षेत्र में जर्जर तार नीचे लटकने से हादसे का खतरा बना है।

42 लाख के लिए बहन की हत्या, भाई-भाभी गिरफ्तार



घटना का खुलासा करते एएसपी उत्तरी विवेक तिवारी

■ बाराबंकी

महादेवा कॉरिडोर में मकान जाने के बदले मिले करीब 42 लाख रुपये के मुआवजे में बहन को हिस्सा न देना पड़े, इसके लिए भाई ने पत्नी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। रामनगर पुलिस ने मंजू हत्याकांड का खुलासा करते हुए भाई संदीप और भाभी शीतल उर्फ मायावती को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त ईंट बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक, ग्राम महादेवा निवासी मंजू (42) की 30 अक्टूबर को उस समय हत्या कर दी गई, जब वह रसोई में खाना बना रही थी।

आरोप है कि भाई संदीप और उसकी पत्नी शीतल ने ईंट से उसके सिर और चेहरे पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। एक नवंबर को मृतका की बहन वंदना पत्नी ओमप्रकाश निवासी बिंदौरा परसपुर ने दोनों के खिलाफ हत्या की तहरीर दी थी।

मेरी सादगी को कमजोरी न समझें : तनुज पुनिया

- अधूरे विकास कार्यों और अधिकारियों की लापरवाही पर सांसद का छलका दर्द, दिशा की बैठक में उठाए जनहित के मुद्दे

■ बाराबंकी



दिशा बैठक में सांसद तनुज पुनिया और डीएम ईशान प्रताप सिंह

जनता की समस्याएं बार-बार उठाने के बावजूद समाधान न होने पर सांसद तनुज पुनिया का धैर्य जवाब देने लगा। दिशा की बैठक में उन्होंने अधिकारियों को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी सादगी को कमजोरी न समझा जाए। अधूरे विकास कार्य समय रहते पूरे कराए जाएं, अन्यथा अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। जिलाधिकारी की मौजूदगी में हुई बैठक में सांसद ने बिजली विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली, आरटीओ कार्यालय में कथित दलाली, धान खरीद की तैयारियों और मंडी सचिव की गैरहाजिरी पर सवाल उठाए। बंकी में अधूरे नाला-सड़क निर्माण, लखपेड़ाबाग से बड़ेल नहर तक अतिक्रमण, देवां ओवरब्रिज से देवां तक जर्जर सड़क और डूडा के कार्यों में मनमानी का मुद्दा भी उठाया। घाघरा की कटान से हेतमापुर, कोठीडीहा और बबुरिहा में हुए भारी नुकसान तथा राहत वितरण में लापरवाही की जांच की मांग की। बैठक में जिलाधिकारी, विधायकगण, एमएलसी, चेयरमैन, ब्लॉक प्रमुख और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सरस मेले में सजे आत्मनिर्भरता के रंग

बाराबंकी। महिलाओं के हुनर को पहचान और मेहनत को बाजार देने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर पालिका परिसर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय सरस मेले का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान में 3 से 5 नवंबर तक आयोजित इस मेले का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी पंकज वर्मा, डीसी एनआरएलएम सुनील कुमार कौशल और परियोजना निदेशक राकेश कुमार सिंह ने किया।

30 नवंबर तक बनेगा डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र

अयोध्या। पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनरों को जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की सुविधा देने के लिए जिले में एक नवंबर से 30 नवंबर तक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान चलाया जा रहा है।मुख्य कोषाधिकारी ममता सिंह ने बताया कि कोषागार निदेशालय, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर यह अभियान राष्ट्रीय स्तर पर संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पेंशनधारकों को जीवन प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया में सहूलियत देना और उन्हें अनावश्यक परेशानियों से बचाना है। उन्होंने जनपद के सभी पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनरों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवा लें और अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

डीएम ने कक्षा में पहुंचकर परखी छात्राओं की पढ़ाई

अमेठी। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भेटुआ में छात्राओं को मिल रही शिक्षा और सुविधाओं की पड़ताल करने मंगलवार को जिलाधिकारी शशांक चौधरी पहुंचे। उन्होंने कक्षा नौ और दस की छात्राओं से सीधे संवाद किया। गणित और अंग्रेजी के सवाल पूछकर उनकी शैक्षणिक दक्षता परखी। अंग्रेजी में प्रार्थना पत्र लिखने की जानकारी भी ली। डीएम ने छात्राओं को मेहनत से पढ़ाई कर अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। डीएम ने विद्यालय की लाइब्रेरी में पुस्तकें देखीं और छात्राओं को नियमित अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया। इस पर डीएम ने बीएसए संजय तिवारी को आवश्यक आगणन तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। कंप्यूटर लैब में सभी कंप्यूटर संचालित मिले। स्मार्ट टीवी की सुविधा भी उपलब्ध थी।

10 हजार रुपए की रिश्वत लेते कानूनगो गिरफ्तार

- पत्थर नसब के नाम पर मांगी थी रकम, पुराने मारपीट और रिश्वत के आरोप भी रहे चर्चा में
- पीड़ित पक्ष की शिकायत पर टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई

■ अमेठी

भ्रष्टाचार के खिलाफ विजिलेंस टीम ने मंगलवार को बाजारशुक्ल में बड़ी कार्रवाई की। अयोध्या की विजिलेंस टीम ने 10 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते कानूनगो संतराम को गिरफ्तार कर लिया।

आरोप है कि उसने एक्काताजपुर गांव में पत्थर नसब कराने के नाम पर रिश्वत मांगी थी। कार्रवाई बाजारशुक्ल थाने के बाहर की गई। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई। टीम प्रभारी इंस्पेक्टर केएन सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम ने आरोपी को पकड़ लिया। टीम में जेपी सिंह, रामपाल सिंह, आशीष सिंह, उपनिरीक्षक राम बहादुर यादव, हेड कांस्टेबल सुजीत कुमार, शामिल रहे।

पहले भी हो चुकी है मारपीट

कानूनगो संतराम का नाम पहले भी विवादों में आ चुका है। करीब दो साल पहले मुसाफिरखाना तहसील परिसर में उनके साथ मारपीट हुई थी। इसके बाद 25 जुलाई 2024 को बख्तावर ग्राम सभा में जमीन की पैमाइश कर लौटते समय मसरूर पुत्र मकबूल और उसके साथियों पर हमला करने का आरोप लगा था। लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हुए हमले में संतराम के सिर पर गंभीर चोट आई थी। पुलिस के अनुसार, इस मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके अलावा जमीन की पैमाइश के नाम पर रिश्वत मांगने के आरोप भी पहले सामने आए थे।

मर्यादा, संस्कार और भक्ति से ही बनेगा आदर्श समाज : राजन जी महाराज



सिंहनी में कथा सुनते श्रद्धालु

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के सिंहनी स्थित अमृत गार्डन में चल रही श्रीराम कथा के पांचवें दिन भी श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक राजन जी महाराज के श्रीमुख से रामकथा का रसपान करने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। राजन जी महाराज ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों के माध्यम से बताया कि आदर्श समाज की स्थापना के लिए संस्कार और भक्ति का होना आवश्यक है। श्रीराम का जीवन केवल सुनने की कथा नहीं, बल्कि उसे अपने आचरण में उतारने की प्रेरणा है।

आईजीआरएस में अमेठी ने मारी बाजी प्रदेश के टॉप-10 में मिली जगह

- मंडल में पहला स्थान, 8,158 शिकायतों के निस्तारण का प्रशासन का दावा

■ अमेठी

जनशिकायतों के निस्तारण में अमेठी ने अक्टूबर माह की आईजीआरएस रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन किया है। जिला प्रदेश के शीर्ष दस जिलों में शामिल हुआ है, जबकि मंडल में पहला स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी शशांक चौधरी की नियमित समीक्षा और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की व्यवस्था को इस प्रदर्शन का आधार बताया गया है।

ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अमित विश्वकर्मा के अनुसार, अक्टूबर में जिले को आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से 8,158 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। प्रशासन का कहना है कि सभी शिकायतों का निर्धारित समयसीमा में निस्तारण कराया गया। जिलाधिकारी शशांक चौधरी लंबित और संवेदनशील शिकायतों की स्वयं समीक्षा कर रहे हैं। संबंधित अधिकारियों को समय से कार्रवाई और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए जाते हैं। इसके लिए 'एक दिवस में पूर्ण समाधान अभियान' भी संचालित किया जा रहा है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योति सिंह भी विभागवार शिकायतों की निगरानी कर रही हैं। वह अधिकारियों को शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान करने के निर्देश देती हैं। अक्टूबर की रैंकिंग में मिली सफलता के बाद अब प्रशासन के सामने इस प्रदर्शन को लगातार बनाए रखने की जिम्मेदारी है। इसके लिए शिकायतों के धरातलीय निस्तारण और लोगों की संतुष्टि पर विशेष ध्यान देना होगा।

दुलहूपुर में सड़क पर पानी बहा रही जल जीवन मिशन की पाइपलाइन



पाइपलाइन में लीकेज होने से लगातार पानी सड़क पर बह रहा

■ अंबेडकरनगर

हर घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित जल जीवन मिशन की व्यवस्था जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते बेपटरी हो गयी है। न्योरी जलालपुर रोड पर स्थित सिहोरिया गांव में जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइपलाइन में लीकेज होने से लगातार पानी सड़क पर बह रहा है। ब्लॉक प्रमुख गौरव सिंह के घर के सामने सड़क की पूर्वी पटरी के किनारे विभाग ने चैंबर बनाया है। जहां महीने भर से लीकेज की समस्या बनी हुई है। अरुण सिंह, बसन्ता आदि ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन से पानी रिसने के कारण सड़क पर हर समय पानी फैला रहता है। जिससे सड़क भी खराब होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक गांव के किनारे बनी पानी टंकी पर कई बार शिकायत की गई।

ब्लॉक मुख्यालय पर मनरेगा का प्रशिक्षण जारी

भियांव, अंबेडकरनगर। भियांव ब्लॉक मुख्यालय बंदीपुर स्थित डोकरा हॉल में मनरेगा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को लेकर अधिकारियों, ग्राम पंचायत अधिकारियों और रोजगार सेवकों का प्रशिक्षण जारी है। लखनऊ से लाइव तस्वीरों के माध्यम से प्रशिक्षण की मॉनीटरिंग भी की जा रही है। प्रशिक्षण में खंड विकास अधिकारी निरंजन प्रकाश, एपीओ मनोज कुमार चौबे, अकाउंटेंट पवन कुमार पांडेय तथा एडीओ पंचायत फिरदौस आलम मौजूद रहे। इस दौरान ग्राम पंचायत अधिकारियों और रोजगार सेवकों को मनरेगा से संबंधित तकनीकी जानकारियां एवं आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत अधिकारी रजत कुमार श्रीवास्तव, राधेश्याम चौधरी, अमर दीप पांडेय, प्रशांत पटेल सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

खनन रोकने पहुंची राजस्व टीम पर हमला, नायब तहसीलदार को पीटा

- एक जेसीबी मशीन सीज किया गया और एक डंपर कब्जे में लिया गया : डीएम

■ सुलतानपुर

जिले में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची राजस्व टीम पर हमला किए जाने से प्रशासनिक महकमे में खलबली मच गई। एसडीएम सदर के निर्देश पर नायब तहसीलदार धर्मेंद्र यादव लेखपाल सुमित वर्मा, बृजेश सिंह के साथ कोतवाली क्षेत्र के इमलिया गांव पहुंचे। आरोप है कि तभी गोलू सिंह, संदीप सिंह समेत 10-15 अज्ञात लोगों ने नायब तहसीलदार पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें नायब तहसीलदार का पैर फ्रैक्चर हो गया। सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि लेखपाल एवं खनन विभाग की ओर से मिली तहरीर पर दो नामजद और 15 अज्ञात पर मुकदमा हुआ है। डीएम इंद्रजीत सिंह ने घटना को जिला प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि अधिकारियों-कर्मचारियों पर हमला करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। मामले में अब तक दो आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इनमें एक चर्चित खनन कारोबारी भी शामिल बताया गया है। डीएम के मुताबिक, सोमवार को एक जेसीबी मशीन सीज की गई थी, जबकि मंगलवार को एक डंपर कब्जे में लिया गया। डीएम ने बताया कि पुलिस और प्रशासन की टीमें मामले की विस्तृत जांच में जुटी है। मामले में गैंगस्टर एक्ट और अन्य कानूनी धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खेत में धान की फसल काटने उतरीं डीएम ईशा प्रिया

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने आलापुर तहसील के देवरिया बुजुर्ग में खरीफ सीजन की फसल धान की क्रॉप कटिंग के जरिये उत्पादकता का निरीक्षण किया। जहां जिलाधिकारी ने धान की फसल को स्वयं काटा। चयनित गांव देवरिया बुजुर्ग के गाटा संख्या 384 किसान तुफैल अहमद के खेत मे 10 मीटर भुजा वाले समबाहु त्रिभुज क्षेत्र के अन्तर्गत खरीफ फसल धान की कटाई एवं मड़ाई कर उससे प्राप्त धान का वजन भी कराया।जिलाधिकारी द्वारा मौके पर उपस्थित लोगों से क्षेत्र में उत्पादित की जाने वाली प्रमुख फसलों, धान की विभिन्न किस्मो व उत्पादकता जानकारी भी प्राप्त की गई। फसल कटाई के प्रयोग द्वारा क्षेत्र में फसल की औसत पैदावार निकाली जाती है।

संक्षिप्त समाचार

स्याना में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, दो कुंतल छेने की मिठाई कराई नष्ट



स्याना में राजा स्वीट हाउस पर मुख्य राय कार्रवाई करते खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार ।

बुलन्दशहर। दीपावली के त्योहार के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार राय के नेतृत्व में स्याना क्षेत्र में बुगरासी रोड स्थित राजा स्वीट हाउस पर कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान दुकान से छेने की मिठाई के दो नमूने और गुलाब जामुन का एक नमूना जांच के लिए संकलित किया गया। वहीं, अस्वच्छकर स्थिति में भंडारित लगभग दो कुंतल छेने की मिठाई को नष्ट करा दिया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र के मिठाई विक्रेताओं में सतर्कता बढ़ गई है। विभाग द्वारा त्योहार के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण एवं नमूना संग्रह की कार्रवाई की जा रही है।

दीपावली पर 3.85 लाख उज्जवला लाभार्थियों को मिलेगा मुफ्त गैस सिलेंडर



उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक सब्सिडी के चेक प्रदान करते अधिकारी

बुलन्दशहर। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत जनपद के 3,85,106 लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम चरण में दीपावली पर एक एलपीजी सिलेंडर की सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में मुख्यमंत्री के लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इस दौरान करीब 500 उज्ज्वला लाभार्थी मौजूद रहे और 10 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक सब्सिडी के चेक प्रदान किए गए। योजना का लाभ प्राथमिकता के आधार पर ई-केवाईसी एवं आधार प्रमाणीकरण करा चुके उपभोक्ताओं को मिलेगा। लाभार्थियों को पहले सिलेंडर की निर्धारित कीमत का भुगतान करना होगा। इसके तीन से चार दिन बाद सब्सिडी की राशि आधार से प्रमाणित बैंक खाते में भेजी जाएगी। ई-केवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ता गैस एजेंसी पर जाकर प्रक्रिया पूरी करा सकते हैं।

मोहन गौतम का सपा कार्यालय पर स्वागत

बुलन्दशहर। डिबाई विधानसभा के पंडित मोहन गौतम मंगलवार को भाजपा छोड़ने के बाद पहली बार समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचे। जिलाध्यक्ष मतलूब अली और जिला महासचिव कृष्णपाल यादव ने माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनसे मुलाकात कर संगठन एवं जनहित के मुद्दों पर चर्चा की।

महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में आयोजित की गई पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता



पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता में बनाई गई कलाकृतियों का अवलोकन करते अतिथि।

खुर्जा। जंक्शन रोड स्थित महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल के द्वितीय परिसर में कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियों के लिए पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अंजना सिंघल ने रंगोलियों का निरीक्षण कर विजेताओं की घोषणा की। विद्यालय प्रबंधक कपिल अग्रवाल और प्रधानाचार्य नरेंद्र मित्तल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रबंध समिति के पदाधिकारी एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

दीपावली पर मिठाई की दुकान पर छापा, मिलीं एक्सपायरी मिठाइयां

शिकारपुर। दीपावली के मद्देनजर एसडीएम प्रतीक्षा पांडे के नेतृत्व में खाद्य विभाग की टीम ने अहमदगढ़ स्थित नवाब स्वीट्स पर छापेमारी की। निरीक्षण में एक्सपायरी मिठाइयां और साफ-सफाई में कमियां मिलीं। टीम ने मावा व गुलाब जामुन के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। कार्रवाई की सूचना से क्षेत्र के मिठाई विक्रेताओं में हड़कंप मच गया। एसडीएम ने बताया कि मिलावट और गुणवत्ता की जांच के लिए अभियान जारी रहेगा।

खाना खजाना कार्यक्रम में व्यंजनों का लिया जायका



खाना खजाना कार्यक्रम में चाट का जायका लेते अतिथि।

शिकारपुर। श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में मंगलवार को आयोजित खाना खजाना कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने पास्ता, गोलगप्पे, छोले-भटूरे, मोमोज, पाव भाजी और कस्टर्ड सहित विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए। प्रबंध समिति के पदाधिकारियों, शिक्षकों और अतिथियों ने व्यंजनों का स्वाद लिया। कार्यक्रम की संयोजिका उप प्राचार्य पूर्णिमा सिंह रहीं।

सोविंदर प्रधान बने भाजपा पिछड़ा मोर्चा के जिला मंत्री



जिला मंत्री बनने पर सोविंदर प्रधान का स्वागत भाजपा जिला अध्यक्ष विकास चौहान।

औरंगाबाद। गांव बादशाहपुर तालाब निवासी भाजपा नेता सोविंदर प्रधान को भाजपा पिछड़ा मोर्चा की जिला कार्यसमिति में जिला मंत्री मनोनीत किया गया है। जिला अध्यक्ष राजकुमार लोधी उर्फ राजू लोधी की संस्तुति पर प्रदेश नेतृत्व ने यह जिम्मेदारी सौंपी है। मनोनयन से समर्थकों में खुशी की लहर है। समर्थकों ने उनके आवास पर पहुंचकर माल्यार्पण कर बधाई दी। सोविंदर प्रधान ने प्रदेश नेतृत्व व जिला अध्यक्ष का आभार जताते हुए पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। उन्होंने समर्थकों का मुंह मीठा कराकर आभार व्यक्त किया।

शहर की दीवारों पर पोस्टर चिपकाना पड़ा भारी, प्रतिष्ठा कोचिंग पर दो लाख का जुर्माना

नगर आयुक्त ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश, कोचिंग सेंटरों और अस्पतालों को भी चेतावनी

■ अलीगढ़।

शहर की दीवारों और बिजली के खंभों पर बिना अनुमति पोस्टर चिपकाकर प्रचार करना प्रतिष्ठा कोचिंग सेंटर को भारी पड़ गया। मंगलवार को निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने पुलिस लाइन रोड, जेल रोड और तस्वीर महल रोड पर कोचिंग के पोस्टर लगे देखे। इस पर उन्होंने संबंधित संचालक के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।उप नगर आयुक्त एवं विज्ञापन प्रभारी अमित कुमार सिंह ने प्रतिष्ठा कोचिंग पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाते हुए नोटिस जारी किया है। नगर निगम के अनुसार यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 305 और विज्ञापन उपविधि 2019 के तहत की गई है। जुर्माना संपत्ति कर बिल के साथ समायोजित कर भेजा जाएगा। भुगतान नहीं करने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।नगर आयुक्त ने कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों और अन्य प्रतिष्ठानों को चेतावनी दी है कि बिना अनुमति सार्वजनिक दीवारों, पुलों और बिजली के खंभों पर विज्ञापन या पोस्टर न लगाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।



शहर की दीवारों पर लगे प्रतिष्ठा कोचिंग सेंटर के पोस्टर।

विश्वविद्यालय परिसर में मंदिर निर्माण की मांग, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन



राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय परिसर में मंदिर निर्माण की मांग करते राष्ट्रवादी छात्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुकर शर्मा।

■ अलीगढ़।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय परिसर में मां सरस्वती और भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण की मांग उठाई गई है। राष्ट्रवादी छात्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुकर शर्मा ने राज्यपाल को पत्र भेजकर मंदिर निर्माण की अनुमति देने और आवश्यक कार्रवाई कराने की मांग की है।ज्ञापन में कहा गया है कि विश्वविद्यालय में हजारों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जबकि करीब 150 छात्र-छात्राएं छात्रावास में रहते हैं। संगठन का कहना है कि परिसर में मंदिर निर्माण से विद्यार्थियों को धार्मिक आस्था के साथ मां सरस्वती और भगवान श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी।

खेरेश्वर धाम मंदिर प्रकरण पर करणी सेना ने जताया आक्रोश, कठोर कार्रवाई की मांग

■ अलीगढ़।

खेरेश्वर धाम स्थित प्राचीन शिव मंदिर में कथित रूप से मांस फेंके जाने के मामले को लेकर करणी सेना ने आक्रोश व्यक्त किया है। संगठन के पदाधिकारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।बताया गया है कि दो दिन पहले मंदिर परिसर में मांस फेंके जाने की घटना हुई थी। आज संबंधित व्यक्ति के दोबारा मंदिर पहुंचने पर लोगों ने उसे पकड़ लिया। करणी सेना ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपों की पुष्टि होने पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।



खेरेश्वर धाम स्थित प्राचीन शिव मंदिर में मांस फेंकने वाला व्यक्ति।

मुदित गोस्वामी बने भाजपा पिछड़ा मोर्चा के जिला महामंत्री

औरंगाबाद। भाजपा पिछड़ा मोर्चा की जिला कार्यसमिति में कस्बा निवासी मुदित गोस्वामी को महामंत्री मनोनीत किया गया है। नियुक्ति पर समर्थकों ने आतिशबाजी कर मिठाई बांटी और खुशी जताई। जिलाध्यक्ष राजकुमार लोधी उर्फ राजू लोधी की संस्तुति पर प्रदेश नेतृत्व ने टीचर कॉलोनी निवासी मुदित को यह जिम्मेदारी सौंपी है। उनके दादा स्वर्गीय डॉ. टीडी गिरि कस्बे के प्रसिद्ध चिकित्सक रहे हैं।

सीएम ग्रिड की चार सड़कों पर होगी भूमिगत जल निकासी की व्यवस्था

■ अलीगढ़

शहर में जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए नगर निगम सीएम ग्रिड फेज-3 के तहत बनने वाली चार सड़कों पर आधुनिक भूमिगत वर्षा जल निकासी व्यवस्था विकसित करेगा। इसके लिए पाइप और मैनहोल तकनीक अपनाई जाएगी। मंगलवार को नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने मेडिकल रोड पर पहुंचकर तकनीक का निरीक्षण किया।नगर आयुक्त ने बताया कि इस प्रणाली में सड़क पर जमा बारिश का पानी विशेष प्रवेश बिंदुओं के माध्यम से भूमिगत पाइपलाइन में पहुंचेगा। मैनहोल के जरिए पाइपों की सफाई, निरीक्षण और मरम्मत की जा सकेगी। इससे खुले नालों की जरूरत कम होगी और सड़क पर आवागमन के लिए अधिक जगह उपलब्ध होगी।यह व्यवस्था कालीदह मरघट से अवतार नगर होते हुए रेलवे फाटक तक, मेडिकल रोड से मेडिकल कॉलेज तक, जेल रोड पुल से गुलर रोड तक तथा सराय हरनारायण क्षेत्र में सासनी गेट से पंचनगरी पोखर तक विकसित की जाएगी।महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि सड़क निर्माण के साथ आधुनिक जल निकासी व्यवस्था विकसित करना शहर को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नगर निगम के अनुसार, इस तकनीक से जलभराव कम करने और सड़कों की उपयोगिता बढ़ाने में मदद मिलेगी।



सीएम ग्रिड फेज-3 के तहत बनने वाली सडक का निरीक्षण करते नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा।

अलीगढ़-मथुरा मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य तेज, डीएम ने परखी निर्माण की गुणवत्ता

■ अलीगढ़।

जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने मंगलवार को अलीगढ़-मथुरा मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क की गुणवत्ता जांचने के लिए कोर कटर से नमूना निकलवाया और उसे प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण में लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारी तय करने की चेतावनी दी।लोक निर्माण विभाग के अनुसार, 27.8 किलोमीटर लंबे मार्ग का 92.853 करोड़ रुपये की लागत से चौड़ीकरण कराया जा रहा है। कार्य 6 फरवरी 2026 को शुरू हुआ था और अब तक करीब 45 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इसे मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है, जबकि अधिकारियों ने मार्च 2027 तक कार्य पूरा करने का भरोसा दिया है।डीएम ने श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण के दौरान यातायात प्रभावित न हो और राहगीरों को परेशानी का सामना न करना पड़े।



अलीगढ़-मथुरा मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का औचक निरीक्षण करते डीएम अविनाश कुमार।

डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी रफ्तार, 147 से अधिक स्वास्थ्यकर्मी सम्मेलन में शामिल

बुलन्दशहर। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को जनपद स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी निशा ग्रेवाल की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में 147 से अधिक चिकित्सा अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों और निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार डोहरे भी मौजूद रहे।

सम्मेलन में बताया गया कि जनपद में 25.61 लाख से अधिक [illegible] आईडी बनाई जा चुकी हैं। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का [illegible] पंजीकरण शत-प्रतिशत पूरा हो गया है। अस्पतालों में ऑनलाइन पंजीकरण, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और स्कैन एंड शेयर सुविधा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

राज्य टीम ने जिला संयुक्त चिकित्सालय सिकंदराबाद का तकनीकी निरीक्षण किया। वहीं, कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज में रेडियोलॉजी सूचना प्रणाली और एम्बुलेंस मॉड्यूल सक्रिय किए गए। उत्कृष्ट कार्य के लिए सीएचसी शिकारपुर, श्री हेल्थी विंग हॉस्पिटल, नगरीय पीएचसी धमेड़ा अड्डा सहित विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों को सम्मानित किया गया।

अधिकारियों ने सभी अस्पतालों में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आरोपित संग किशोरी बरामद, आरोपित भेजा जेल

खैर। कोतवाली के हलका पला जरारा क्षेत्र के एक गांव निवासी सोलह वर्षीय किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने के आरोपित को खैर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें कि हलका पला जरारा क्षेत्र के एक गांव निवासी सोलह वर्षीय नाबालिग किशोरी को नामजद 18 मार्च को बहला फुसलाकर ले गया था। पुलिस तभी से किशोरी व नामजद की तलाश में जुटी थी। मंगलवार को दरोगा सोनू शर्मा ने गोंडा रोड नहर पुल के निकट से आरोपित व किशोरी को बरामद कर लिया। कोतवाली में किशोरी के हुए बयान व शैक्षिक अभिलेखों के आधार पर किशोरी की उम्र 18 वर्ष से कम पाए जाने पर विवेचक ने पोस्को एक्ट की बढोत्तरी की थी। पुलिस ने आरोपित शिवम पुत्र राजू को जेल भेज दिया है।

फौजी पर जानलेवा हमले के आरोपित गिरफ्तार, भेजे जेल

खैर। सभापुर निवासी फौजी पर जानलेवा हमले के आरोपित दो भाईयों को खैर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें कि सभापुर निवासी फौजी प्रवेश कुमार पुत्र प्रेमपाल यिंह के साथ बीती बीस अक्टूबर को नामजदों ने मारपीट की थी। जिसमें फौजी गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। मारपीट की धारा में दर्ज हुए मुकदमे के बाद विवेचक ने जानलेवा हमले की धारा में बढोत्तरी की थी। फौजी की शिकायत व उच्चाधिकारियों के आदेश पर दरोगा संजीव कुमार ने आरोपित हरेन्द्र व पुष्पेन्द्र पुत्रगण किरन निवासी भारत गैस एजेंसी के निकट कस्बा खैर को बिरौला नहर पुल से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। खैर पुलिस ने बताया कि दोनों के खिलाफकोतवाली खैर में पूर्व से ही चार-चार मुकदमे दर्ज है।

रोटरी क्लब बुलंदशहर सिटी ने धूमधाम से मनाया दीपावली डांडिया महोत्सव

औरंगाबाद। रोटरी क्लब बुलंदशहर सिटी की ओर से अलका मोटल में दीपावली डांडिया महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में क्लब सदस्यों और उनके परिवारों ने रंग-बिरंगे परिधानों में डांडिया नृत्य कर दीपावली की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने की। संयोजन लवकेश गुप्ता, नवीन गर्ग, सीए आयुष बंसल और मुनेश कंसल ने किया। क्लब सचिव अजय गोयल का विशेष योगदान रहा। लकी ड्रॉ के विजेता प्रदीप अग्रवाल और कृष्ण मोहन को चांदी के सिक्के देकर सम्मानित किया गया। सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

किसानों और कारीगरों के नवाचार को मिलेगा मंच, 18 नवंबर को लगेगी प्रदर्शनी

अलीगढ़। असंगठित क्षेत्र के नवप्रवर्तकों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए जिला विज्ञान क्लब की ओर से 18 नवंबर को रतन प्रेम डीएवी बालिका इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इसमें किसान, मजदूर, मिस्त्री और शिल्पकार अपने नवाचार और आविष्कार प्रदर्शित करेंगे।जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक राजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रदर्शनी में करीब 200 से 300 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। इसका उद्देश्य ग्रामीण और असंगठित क्षेत्र में छिपी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को पहचान और मंच प्रदान करना है।इसके लिए मनरेगा, श्रम, पंचायती राज और शिक्षा सहित विभिन्न विभागों से 8 नवंबर तक योग्य प्रतिभागियों की सूची मांगी गई है।

पिस्टल सप्लायर गिरोह का सहयोगी गिरफ्तार

खैर। खैर पुलिस ने पिस्टल सप्लायर गिरोह के सहयोगी को तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बता दें कि एक अक्टूबर को खैर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बांकनेर-नगला अस्सू रोड स्थित ललित की ट्यूबवेल पर छापामार कार्रवाही की थी। कार्रवाही के दौरान पिस्टल सप्लायर गिरोह के विकास पुत्र सोना निवासी जहांगीरपुर, अंकित चौधरी पुत्र अजीत सिंह निवासी गाजीपुर थाना बरला को मौके से मय असलाह के गिरफ्तार कर लिया था तथा चार आरोपित अतुल, राहिल, लवकुश, व तुषार मौके से भागने में सफल रहे थे। बीते दिन दरोगा कपिल कुमार ने आरोपित राहित पुत्र उम्मद निवासी बरका को संजय कोल्ड स्टोरेज- सोमना रोड से दबोच लिया। जामा तलाशी में आरोपित के पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए है। पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर पिस्टल सप्लायर गिरोह के सदस्य को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वकौल इंस्पेक्टर खैर राजीव चौधरी अन्य फरार आरोपितों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ग्रीन कॉरिडोर में जाम का झाम, सूतमिल चौराहे पर डग्गेमार बसों की आवाजाही पर उठे सवाल



सूतमिल चौराहे पर जाम में फंसे लोग।

■ अलीगढ़।

सूतमिल चौराहे पर यातायात व्यवस्था बदहाल नजर आ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां जाम की सबसे बड़ी वजह डग्गेमार बसों का संचालन और सड़क पर उनका रुकना है, लेकिन संबंधित विभागों का इस ओर ध्यान नहीं है। ग्रीन कॉरिडोर क्षेत्र होने के बावजूद ई-रिक्शा की आवाजाही भी जारी है।चौराहे पर लाल-हरी सिग्नल लाइट की व्यवस्था नहीं होने से यातायात नियंत्रण को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि डग्गेमार बसों के कारण अक्सर

■ ई-रिक्शा भी बने यातायात का हिस्सा, सिग्नल लाइट और नियंत्रण व्यवस्था का अभाव

वाहनों की कतार लग जाती है और राहगीरों को परेशानी होती है।सवाल यह है कि ग्रीन कॉरिडोर क्षेत्र में यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए जिम्मेदार विभाग कब कार्रवाई करेंगे? डग्गेमार बसों के संचालन, उनके ठहराव और ई-रिक्शा की आवाजाही पर नियंत्रण के साथ चौराहे पर सिग्नल व्यवस्था लागू करने की जरूरत है।

ओपीएम इंटर कॉलेज में प्रबंधक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर असमंसज

■ डीआईओएस व हाईकोर्ट में करेंगें पैरवी-प्रबंधक

■ खैर

सोमना रोड स्थित ओमप्रकाश मीतल इंटर कॉलेज में मंगलवार को प्रबंधक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर सदस्यों के हस्ताक्षर अभियान को प्रबंधक ने नियम विरूद्ध व फर्जी बताया है। आरोप है कि प्रबंध समिति में अपना दखल बनाए रखने के लिए पूर्व प्रधानाचार्य से कथित प्रबंधक बने व्यक्ति तानाशाहीपूर्ण रवैया अपना रहे है। प्रबंधक ने अविश्वास प्रस्ताव पर हुए फर्जी वाडे की शिकायत जिला विद्यालय निरीक्षक से किए जाने की बात कही है।

ओपीएम इंटर कालेज के प्रबंधक रविकांत गोयल को पूर्व में फर्जी रूप से सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर कर पद से हटाने का तुगलकी फरमान जारी कर दिया गया था। आदेश के खिलाफ प्रबंधक ने उच्च न्यायालय की शरण ली थी। उच्च न्यायालय ने पूर्व पारित अविश्वास प्रस्ताव को गलत मानते हुए खुली बैठक में फिर से प्रस्ताव किए जाने के निर्देश दिए थे। मंगलवार को प्रबंध समिति के सदस्य व पदाधिकारी विद्यालय आए थे। कुल 252 सदस्यों में से 170 सदस्य मौजूद बताए गए है। आरोप है कि पूर्व की तरह ही मनमाने ढंग से अज्ञात लोगों को बुलाकर बिना उनकी आईडी या आधार कार्ड देख अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कराए है। जो कि न्यालालय के आदेश अवमानना है। प्रबंधक रविकांत गोयल ने बताया कि नियम विरूद्ध तरीके से अविश्वास प्रस्ताव पास कराया गया है। सदस्यों से आईडी अथवा आधार कार्ड तक नही देखे गये है। कई सदस्यों की उम्र भी 18, 19, 20 के करीब थी। जिससे प्रतीत होता है कि अविश्वास प्रस्ताव को पास कराने के संबंध में फर्जीवाडा किया गया है। पूरे प्रकरण से डीआईओएस को अवगत कराया जाएगा। उक्त मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक डा0 पूरन सिंह ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव के मामले में कोई पक्ष अगर शिकायर करेगा तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाही की जाएगी। अलावा माननीय न्यायालय के आदेश का शत प्रतिशत पालन कराया जाएगा।



ओपीएम इंटर कालेज की प्रबंध समिति के अध्यक्ष से शिकायत करते प्रबंधक रविकांत गोयल

सुभाषितम्

न विष्यति सम्माने नापमाने च कुप्यति।
गङ्गो ह्रद इवाक्षोभ्यो यः स पण्डित उच्यते॥

जो व्यक्ति सम्मान मिलने पर अहंकार से फूलता नहीं (अत्यधिक प्रसन्न नहीं होता) और अपमान होने पर क्रोधित या विचलित नहीं होता, बल्कि गंगा जी के गहरे तालाब की तरह हमेशा शांत और स्थिर रहता है, वास्तव में वही व्यक्ति 'ज्ञानी' या 'पण्डित' कहलाता है।

संपादकीय

मतदाता सूची पर सियासी संग्राम

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का मताधिकार है। सरकारें बदलती हैं, राजनीतिक दल सत्ता में आते-जाते हैं, लेकिन मतदान का अधिकार नागरिक की लोकतांत्रिक पहचान बना रहता है। ऐसे में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर उठे सवालों को जवाब के दायरे में रखना चाहिए। क्योंकि यह मामला लोकतंत्र की बुनियाद और चुनावी व्यवस्था की निष्पक्षता से जुड़ा है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है। मृत मतदाताओं के नाम हटाना, दोहरी प्रविष्टियां समाप्त करना और पात्र नए मतदाताओं को जोड़ना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। लेकिन इस प्रक्रिया में किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से कटना उसके लोकतांत्रिक अधिकार पर सीधा प्रहार है। एक फर्जी नाम हटाना जितना जरूरी है, उतना ही किसी पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखना भी। किंतु पिछले चुनावों में पराजय के बाद से विपक्ष, खासकर कांग्रेस इस मुद्दे को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर राजनीति कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने का आरोप लगाकर राजनीतिक बहस तेज कर दी है। कांग्रेस इसे मताधिकार कमजोर करने की सुनियोजित कोशिश बता रही है और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की वैधता पर भी सवाल उठा रही है। दूसरी ओर भाजपा इन आरोपों को भ्रामक बताते हुए कह रही है कि सभी नाम अंतिम रूप से हटाए गए मतदाताओं के नहीं हैं। भाजपा के अनुसार इनमें करीब 2.80 करोड़ मृत, 6.30 करोड़ स्थानांतरित, एक करोड़ दोहरी प्रविष्टियों वाले और लगभग तीन करोड़ अनुपस्थित या नहीं मिल पाए मतदाता शामिल हैं। ऐसे में सबसे अहम सवाल है कि 13 करोड़ नामों का वास्तविक हिसाब क्या है? यदि कांग्रेस के आरोपों में दम है तो उसे ठोस प्रमाण और प्रभावित मतदाताओं के उदाहरण सामने रखने चाहिए। वहीं भाजपा को भी केवल आरोपों को विपक्ष की हताशा बताकर खारिज करने के बजाय पारदर्शिता के पक्ष में खड़ा होना चाहिए। लोकतंत्र में सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और उनका तथ्यपूर्ण जवाब देना सत्ता पक्ष का दायित्व। इस पूरे विवाद में निर्वाचन आयोग की भूमिका निर्णायक है। आयोग को राज्यवार और बूथवार आंकड़े सार्वजनिक कर स्पष्ट करना चाहिए कि कितने नाम किस कारण हटाए गए तथा प्रभावित नागरिकों को अपना नाम दोबारा जुड़वाने का अवसर कैसे मिलेगा। उसकी निष्पक्षता पर संदेह दूर करना भी उतना ही जरूरी है जितना मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना। गरीबों, मजदूरों, किरायेदारों और रोजगार के लिए पलायन करने वालों की परेशानी विशेष चिंता का विषय है। स्थायी पते या दस्तावेजों की कमी के कारण वे मताधिकार से वंचित न हों, यह सुनिश्चित करना होगा। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत-हार का मुद्दा नहीं, लोकतंत्र की विश्वसनीयता का प्रश्न है। लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए, न कोई फर्जी मतदाता मतदान करे और न कोई वास्तविक मतदाता अपने अधिकार से वंचित हो। क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती केवल बहुमत से नहीं, बल्कि हर पात्र नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा से तय होती है।

पाती

शराब माफिया के हौसले इतने बुलंद क्यों?

देवास में अवैध शराब की तस्करी रोकने पहुंचे टीआई को शराब माफिया द्वारा गाड़ी से कुचलकर मार डालना मध्यप्रदेश की कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। यह घटना बताती है कि प्रदेश में शराब माफिया के हौसले किस कदर बुलंद हैं कि अब उन्हें कानून के रक्षकों की हत्या करने में भी संकोच नहीं। जब पुलिस अधिकारी ही अपराधियों के निशाने पर सुरक्षित नहीं हैं, तब आम नागरिकों की सुरक्षा का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। अवैध शराब का कारोबार केवल राजस्व की चोरी या सामाजिक बुराई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे संगठित आपराधिक तंत्र खड़ा हो चुका है। इसे राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक मिलीभगत से भी मुक्त करना होगा। सरकार को इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचकर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। केवल गिरफ्तारी और निलंबन से काम नहीं चलेगा। अपराधियों में कानून का भय और पुलिस का मनोबल बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

■ राजेंद्र शर्मा

आज का इतिहास

- 1822 : दिल्ली में जलापूर्ति योजना का औपचारिक रूप से शुभारंभ हुआ।
- 1890 : लंदन में विश्व की पहली विद्युतीकृत भूमिगत रेलवे प्रणाली का उद्घाटन हुआ।
- 1924 : अमेरिका में नेली टायलो रॉस और मिरियम फर्ग्यूसन अपने-अपने राज्यों व्योमिंग और टेक्सास की पहली महिला राज्यपाल निर्वाचित हुईं।
- 1948 : भारतीय वायुसेना में पहले तीन वैम्पायर एफ. एमके. 3 जेट लड़ाकू विमान शामिल किए गए।
- 1954 : दार्जिलिंग में हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान की स्थापना हुई।
- 1995 : इजराइल के प्रधानमंत्री यित्झाक राबिन की तेल अवीव में एक शांति रैली के दौरान हत्या कर दी गई।
- 1997 : सियाचिन आधार शिविर में भारतीय सेना ने विश्व का सबसे ऊँचा एसटीडी टेलीफोन बूथ स्थापित किया।
- 2008 : भारत के पहले चंद्र अभियान चंद्रयान-1 ने चंद्रमा की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश किया।
- 1618 : औरंगजेब – मुगल साम्राज्य का छठा शासक।
- 1845 : वासुदेव बलवंत फड़के – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी क्रांतिकारी, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष किया।
- 1876 : भाई परमानंद – स्वतंत्रता सेनानी, राष्ट्रवादी विचारक और समाज सुधारक।
- 1889 : जमनालाल बजाज – स्वतंत्रता सेनानी, उद्योगपति और समाजसेवी। वे महात्मा गांधी के निकट सहयोगियों में शामिल थे।
- 1929 : शकुंतला देवी – विश्वविख्यात भारतीय गणितज्ञ, जिन्हें उनकी असाधारण मानसिक गणना क्षमता के कारण 'मानव कंप्यूटर' कहा जाता था।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) - क्यों?



■ शिवप्रकाश

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित 'हम भारत के लोग' अपने संविधान को आत्मार्पित करते हैं। भारत में जन्मे, भारत की एकता, अखंडता के प्रति निष्ठा एवं भारतीय संविधान में आस्था रखने वाले नागरिकों से ही 'हम भारत के लोग' का तात्पर्य है। चुनाव, प्रतिनिधित्व, नागरिक अधिकार और कानून का शासन लोकतंत्र का आधार है। भारत के प्रति समर्पित वयस्क नागरिकों को ही भारत में सरकारें चुनने का अधिकार है। चुनाव के माध्यम से भारत में राज्य और केंद्र की सरकार चुनने का अधिकार विदेशी घुसपैठियों को देना कैसे संभव हो सकता है? इसी कारण संविधान में मतदाता शुद्धिकरण की व्यवस्था है।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) के अंतर्गत मतदाता सूची का विशेष गहन पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) करने का अधिकार चुनाव आयोग को प्राप्त है। अब तक 13 बार मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण का कार्य किया जा चुका है। यह प्रक्रिया 1952-56, 1957, 1961, 1965, 1966, 1983-84, 1987-89, 1992, 1993, 1995, 2002, 2003 और 2004 में हुई है। वर्ष 2025 में बिहार प्रदेश से प्रारंभ यह 14वाँ विशेष गहन पुनर्निरीक्षण है। वर्ष 2004 के बाद 22 वर्षों के मध्य यह प्रक्रिया पहले ही पूर्ण होनी चाहिए थी, जो नहीं हुई। वर्तमान में एसआईआर का विरोध करने वाले दलों की केंद्र एवं राज्यों में सरकारें रहते हुए भी अनेक बार मतदाता शुद्धिकरण की यह प्रक्रिया हुई है।

संविधान का अनुच्छेद 326 मताधिकार को केवल भारत के नागरिकों तक सीमित करता है, जबकि अनुच्छेद 324 निर्वाचक नामावली की तैयारी तथा उसकी शुद्धता का दायित्व निर्वाचन आयोग को सौंपता है। अनुच्छेद 325 भी निर्वाचक नामावली से संबंधित व्यवस्था करता है। इन प्रावधानों का उद्देश्य प्रत्येक वैध भारतीय नागरिक को मतदान का अधिकार देना, एक मतदाता का नाम एक ही स्थान पर सुनिश्चित करना और अवैध अथवा अनैतिक पद्धति से प्रवेश करने वाले लोगों को भारत की सरकार चुनने के अधिकार से वंचित रखना है।

आजीविका के उद्देश्य से अनेक नागरिक अपने स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास करते हैं। इसके कारण पूर्व स्थान पर मतदाता सूची में नाम रहने के बावजूद वे दूसरे स्थान पर भी अपना नाम दर्ज करा लेते हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के आँकड़े बताते हैं कि लगभग 45 करोड़ लोगों ने देश में ही आंतरिक प्रवास किया। आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 के अनुसार 2001 से 2011 के मध्य प्रतिवर्ष औसतन 50 से 65 लाख लोगों ने स्थान परिवर्तन किया। विशेष गहन पुनर्निरीक्षण के अंतर्गत बिहार प्रदेश में 7.01 लाख नाम दो स्थानों पर मतदाता सूची में दर्ज पाए गए। यह स्थिति देश के अन्य राज्यों में भी है।

देश के कुल मतदाताओं में गहन पुनर्निरीक्षण प्रक्रिया होने के उपरांत 13.30 करोड़ में से लगभग 2 करोड़ 80 लाख मृतकों के नाम मतदाता सूची में पाए गए। 6.30 करोड़ लोगों ने अपना स्थान परिवर्तन कर दूसरे स्थान पर मतदाता सूची में नाम जुड़वा लिया था। 3 करोड़ मतदाताओं के बारे में जानकारी ही नहीं मिली। 1.02 लाख मतदाताओं के नाम दो बार मतदाता सूची में दर्ज थे। ये आँकड़े मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता को स्पष्ट करते हैं। सेना के अवकाश प्राप्त जनरल एस.के. सिन्हा ने असम के राज्यपाल रहते हुए 8 नवंबर 1998 को राष्ट्रपति को 'असम में अवैध प्रवासन पर प्रतिवेदन' के माध्यम से घुसपैठ के खतरे के संबंध में सचेत किया था। उनके अनुमान के अनुसार केवल असम में ही 60 लाख घुसपैठिए थे। उन्होंने घुसपैठ एवं उग्रवाद के परस्पर संबंध तथा सीमा पर जनसांख्यिकीय परिवर्तन का वर्णन करते हुए उसे राष्ट्रीय सुरक्षा एवं लोकतंत्र के लिए खतरा बताया था। वर्ष 2016 में गृह राज्य मंत्री रहते हुए श्री किरण रिजिजू ने संसद में जानकारी दी थी कि लगभग 2 करोड़ से अधिक घुसपैठिए भारत में रह रहे हैं। कुछ अनुमान इस संख्या को 3 करोड़ तक बताते हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा की विजय के पश्चात बांग्लादेशी घुसपैठियों ने स्वतः ही बांग्लादेश को पलायन किया था। उत्तर 24 परगना के हकीमपुर सीमा क्षेत्र में जाते हुए इन घुसपैठियों ने समाचार माध्यमों से स्वीकार किया था कि उनके बिचौलियों एवं सत्तालोलुप नेताओं द्वारा अवैध मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, स्थायी खाता संख्या एवं राशन कार्ड बनवाए गए थे। कलकत्ता एवं गुवाहाटी उच्च न्यायालयों में भी यह तथ्य सामने आ चुके हैं। रोजगार के लिए प्रवास करने वाले मतदाता किसी भी राजनीतिक दल को अपना मत देने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन मृतक मत नहीं दे सकते और विदेशी नागरिकों को भारत की सरकार चुनने का अधिकार नहीं हो सकता। विपक्ष द्वारा विशेष गहन पुनर्निरीक्षण का विरोध अवैध घुसपैठियों के समर्थन के लिए ही है, ऐसा लगता है। क्योंकि यही उनके थोक मतदाता थे। क्या इनके बल पर ही वे चुनाव जीतते थे? इस प्रश्न का उत्तर विपक्षी दलों को देश को देना चाहिए।

चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनर्निरीक्षण के समय एक संवैधानिक एवं व्यवस्थित प्रक्रिया अपनाई जाती है। प्रदेश स्तर से लेकर मतदान केंद्र स्तर तक सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होती है। इसी प्रकार राजनीतिक दलों से भी अपेक्षा रहती है कि वे विधानसभा स्तर से मतदान केंद्र तक अपने बूथ स्तरीय अभिकर्ता-1 एवं अभिकर्ता-2 नियुक्त कर इस प्रक्रिया में सहयोग करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। प्रपत्र 6, 7 और 8 का उपयोग करते हुए मतदाता सूची के शुद्धिकरण का प्रयास करें तथा गलत नाम जुड़ने एवं कटने पर आपत्ति व्यक्त करें।

लेकिन कमजोर राजनीतिक दल सभी मतदान केंद्रों पर अपने बूथ स्तरीय अभिकर्ता नियुक्त कर पाने में असमर्थ रहते हैं। अपनी कमजोरी छुपाने के लिए वे मत चोरी का आरोप लगाते हैं। कांग्रेस बिहार प्रदेश के 77,895 मतदान केंद्रों में से केवल 17,000 और बंगाल के 85,379 मतदान केंद्रों में से केवल 5,797 पर ही अपने बूथ अभिकर्ता नियुक्त कर पाई थी। निर्वाचन आयोग के अनुसार कांग्रेस ने मतदाता सूची के संदर्भ में एक भी आपत्ति नहीं की। जिन राज्यों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनी, वहाँ भी विपक्षी विधायक जीते हैं। वहीं हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु जैसे प्रदेशों में कांग्रेस अथवा विपक्षी दलों की सरकारें भी बनी हैं। कांग्रेस के अनेक नेताओं ने एसआईआर की प्रशंसा भी की है। तब संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को आरोपित करना लोकतंत्र के प्रति जघन्य अपराध है।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1952 में प्रथम चुनाव के बाद मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता के लिए 12 फरवरी को पत्र लिखकर सचेत किया था कि 'सबसे पहले मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जाए।' केरल के नेता श्री रमेश चेन्नीथला ने आयोग को 4 लाख अवैध मतदाताओं की सूची देते समय कहा था कि भौतिक सत्यापन एवं मतदाता सूची के गहन शुद्धिकरण के बिना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं है। केरल में कांग्रेस अपनी विजय का श्रेय भी मतदाता पुनर्निरीक्षण की प्रक्रिया को ही देती है।

केवल अपने देश में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, स्वीडन, केन्या और ब्राजील जैसे देश भी बीच-बीच में अपनी मतदाता सूची के शुद्धिकरण का अभियान चलाते हैं। ब्रिटेन में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को प्रतिवर्ष स्वयं पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। अराष्ट्रीय शक्तियों द्वारा भारत को अस्थिर करने के अनेक प्रकार के प्रयास हम पिछले दिनों से देख ही रहे हैं। किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन अधिनियम आदि के नाम पर झूठा विमर्श फैलाने के लिए प्रारंभ हुए आंदोलन अब इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्र और एसआईआर के झूठे दुष्प्रचार से होते हुए ज्ञानेश कुमार को हटाने की माँग के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को हटाने एवं सत्ता परिवर्तन तक की भाषा बोल रहे हैं। अराजकतावाद से उत्पन्न बांग्लादेश का हिंसक आंदोलन उनकी प्रेरणा है। सामाजिक माध्यमों से निर्मित झूठा विमर्श उनके हथियार और कुछ विदेशी ताकतें उनकी सहयोगी हैं। इसी को बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने अराजकतावाद कहा था।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत गरीबी से मुक्त हो रहा है। ऐसे समय विपक्षी पार्टियाँ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के माता-पिता को भद्दी गालियाँ देकर नरेंद्र मोदी मुक्त भारत करना चाहती हैं। देश की विकासवादी एवं राष्ट्रीय शक्तियों से आह्वान है कि 'वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः' का संकल्प लेकर देश की जनता को जागृत करें।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।)

दवा कंपनियों के लालच पर वैधानिक अंकुश की तैयारी



■ प्रमोद भार्गव

दवा उत्पादक फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने के उपाय करने को उत्सुक नजर आ रहा है। न्यायालय द्वारा 8 अक्टूबर 2026 को दिए एक आदेश के बाद केंद्र सरकार ने फार्मा कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों और तौर-तरीकों की समीक्षा तथा निगरानी के लिए नीति आयोग के सदस्य डॉ. एम. श्रीनिवास की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी है। यह समिति कंपनियों द्वारा दवाओं के अनैतिक कारोबार को बढ़ावा देने वाले उपायों की समीक्षा करेगी और निगरानी तंत्र को पुख्ता बनाने के लिए सिफारिशें देगी। इनमें चिकित्सकों को दिए जाने वाले प्रलोभनों की समीक्षा भी शामिल है।

इसी संदर्भ में 'फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया' की एक याचिका भी न्यायालय में लंबित है। इसमें अनुरोध किया गया है कि प्रभावी कानून बनने तक फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश तय कर दिए जाएं। मौजूदा व्यवस्था में बड़ी असमानता है। प्रलोभन स्वीकार करने वाले चिकित्सकों के विरुद्ध कार्रवाई का प्रावधान तो है, लेकिन उन्हें प्रलोभन देने वाली कंपनियों को नियंत्रित या दंडित करने की समान वैधानिक व्यवस्था नहीं है। नतीजतन, कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए चिकित्सकों को महंगे उपहार देती हैं और सेमिनार के बहाने देश-विदेश की पंचतारा यात्राओं का खर्च उठाती हैं। इसका सीधा असर रोगियों पर पड़ता है, जिन्हें महंगी दवाएं खरीदने के लिए विवश होना पड़ता है। समिति को दो माह के भीतर रिपोर्ट देनी है।

कुछ समय पहले कंपनी मामलों के मंत्रालय की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट ने सरकार को आगाह किया था कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर बाहर की जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दवाओं की महंगाई का कारण केवल उनमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री की कीमत नहीं, बल्कि कंपनियों का मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करतीं। रिपोर्ट में दवाओं की लागत और बिक्री मूल्य के बीच भारी अंतर का उल्लेख किया गया था। ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन, फाइजर, रैनबैक्सी, डॉ. रेड्डीज लैब्स और एलेम्बिक जैसी नामी कंपनियों पर भी अपने उत्पादों की कीमतें लागत से कई गुना अधिक रखने के आरोप सामने आए। देशी-विदेशी कंपनियों ने सरकार द्वारा दी गई उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो पूरा लिया, लेकिन दवाओं की कीमतों में अपेक्षित कटौती नहीं की। इस तरह सरकार और ग्राहकों, दोनों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

इंसान की जीवन-रक्षा से जुड़ा दवा कारोबार देश में तेजी से मुनाफे की अमानवीय और अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैरजरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा बन गया है। बेमतलब की अनेक जांचें भी केवल मुनाफे के लिए कराई जाती हैं। निजी चिकित्सालयों पर भी आरोप लगते रहे हैं कि वे रोगियों का उपचार करने के बजाय उन्हें रोगी बनाए रखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देते हैं। चिकित्सक चिकित्सा का ज्ञान उच्च संस्थानों से प्राप्त करते हैं, लेकिन उनके ज्ञान और विवेक पर दवा उद्योग का प्रभाव हावी हो जाता है। कई बार वे वही दवाएं लिखते हैं, जिनका प्रचार कंपनियों के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव करते हैं और जिनके बदले उपहार अथवा अन्य लाभ दिए जाते हैं।



जबकि चिकित्सा का पेशा जीवन-रक्षा का माध्यम है। वह मनुष्यता की संवेदना और मर्म की सुरक्षा से जुड़ा नैतिक व्यवसाय है। एक लाचार मरीज चिकित्सक के पास स्वास्थ्य लाभ की उम्मीद से जाता है, न कि दवा उद्योग के लालच को बढ़ावा देने के लिए। किंतु पैसे कमाने की अनैतिक होड़ का परिणाम है कि रोगी अब चिकित्सक को धरती का भगवान मानने से मुकर रहा है।

इसी संदर्भ में याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने एक मामले का उल्लेख किया था। एक दवा डीलर की पत्नी का उपचार चल रहा था। कीमोथेरेपी में काम आने वाला इंजेक्शन बाजार में 11 हजार रुपये का था, लेकिन निजी अस्पताल में उसे 1.30 लाख रुपये में दिया जा रहा था। दवा डीलर ने अस्पताल से इंजेक्शन बाहर से लाने देने का अनुरोध किया, लेकिन उसे मना कर दिया गया। इसी याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने कैंसर की 2,700 रुपये की दवा को 27 हजार रुपये में बेचे जाने को 'डकैती' की संज्ञा दी थी। ऐसी डकैती की कीमत आम मरीजों को चुकानी पड़ रही है।

फार्मा कंपनियां अनैतिक कारोबार पर रोक लगाने वाले बाध्यकारी कानूनों के रास्ते में भी अड़चनें पैदा करती रही हैं, क्योंकि उनका कारोबार विज्ञापनों और चिकित्सकों को लाभ पहुंचाने की व्यवस्था से भी संचालित होता है। छोटी दवा कंपनियों के संघ का कहना है कि यदि चिकित्सकों को उपहार देने की कुप्रथा पर कानूनी रोक लगा दी जाए, तो दवाओं की कीमतें 50 प्रतिशत तक कम हो सकती हैं।

दवा का निर्माण विशेष तकनीक के तहत होता है और रोग तथा दवा विशेषज्ञ चिकित्सक ही पर्चे पर किसी निश्चित दवा के सेवन की सलाह देते हैं। रोगी और उसके परिजन दवाओं में मौजूद रासायनिक तत्वों के प्रभाव तथा उनके अनुपात से अनभिज्ञ होते हैं। इसलिए वे अपनी मर्जी से दवा चुनने की स्थिति में नहीं होते और चिकित्सक के परामर्श पर निर्भर रहते हैं। यही निर्भरता जब व्यावसायिक लालच का माध्यम बन जाती है, तब रोगी के पास शोषण सहने के अतिरिक्त बहुत कम विकल्प बचते हैं। देशभर में इस विवशता का लाभ उठाया जाना समस्या की गंभीरता बताता है।

प्रकृति ने मनुष्य को बीमारियों से बचाव के लिए शरीर के भीतर मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र दिया है। श्वेत और लाल रक्त कणिकाएं शरीर की जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा रोगाणुओं से लड़ने वाले एंजाइम भी शरीर की रक्षा करते हैं। एंटीबायोटिक दवाओं ने अनेक संक्रामक रोगों से मानव जाति को बचाया है, लेकिन इनके अनुचित और अत्यधिक इस्तेमाल से रोगाणुओं में प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने की समस्या गंभीर हुई है।

जिस तरह मानव शरीर विभिन्न तापमान, वायुमंडलीय परिस्थितियों और पर्यावरण के अनुकूल स्वयं को ढालता है, उसी तरह सूक्ष्मजीवों में भी समय के साथ परिवर्तन होते रहते हैं। एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध इस्तेमाल से उनके प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने वाले जीवाणुओं की समस्या बढ़ी है। जो दवाएं कभी प्रभावी थीं, उनके सामने अब अनेक जीवाणु टिकने लगे हैं। इसलिए वैज्ञानिक एंटीबायोटिक दवाओं के विवेकपूर्ण इस्तेमाल पर जोर दे रहे हैं। सर्दी-जुकाम और पेट के सामान्य रोगों तक में बिना पर्याप्त आवश्यकता एंटीबायोटिक लिख देना इस समस्या को और गंभीर बना सकता है।

चिकित्सा के क्षेत्र में मुनाफे की हवस का एक दूसरा पक्ष भी है। एलोपैथी के कुछ व्यावसायिक हितों पर आरोप लगते रहे हैं कि उन्होंने प्रायोजित शोधों के माध्यम से आयुर्वेद, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथी जैसी पद्धतियों को अवैज्ञानिक बताकर हाशिए पर धकेलने का प्रयास किया। हालांकि प्रत्येक चिकित्सा पद्धति का मूल्यांकन वैज्ञानिक प्रमाणों और प्रभावशीलता के आधार पर ही होना चाहिए। इसके बावजूद दवा उद्योग के आर्थिक हितों को रोगी के स्वास्थ्य और चिकित्सा की नैतिकता से ऊपर नहीं रखा जा सकता।

सूक्ष्मजीवों के नए प्रतिरोधी रूप सामने आने के साथ एंटीबायोटिक दवाओं के इस्तेमाल की सीमाएं रेखांकित की जाने लगी हैं, किंतु मुनाफे की हवस इन मर्यादाओं को लांघने का उपक्रम करती रहती है। इसलिए दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर प्रभावी वैधानिक अंकुश आवश्यक है। चिकित्सकों को प्रलोभन देने वाली कंपनियों की जवाबदेही तय किए बिना केवल चिकित्सकों पर कार्रवाई करना अधूरा उपाय होगा। प्रस्तावित समिति की सिफारिशों का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब दवा कारोबार में पारदर्शिता आएगी, अनावश्यक महंगी दवाओं और जांचों पर रोक लगेगी तथा रोगियों को उचित मूल्य पर उपचार उपलब्ध होगा। जीवन-रक्षा से जुड़े इस व्यवसाय में लाभ की सीमा तय करना समय की मांग है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।)

प्रेह विहार मंदिर



कंबोडिया के डांगरेक पर्वतों में 525 मीटर ऊँची पहाड़ी की चोटी पर स्थित प्रेह विहार प्राचीन हिंदू मंदिर है। खमेर साम्राज्य के राजाओं ने इसका निर्माण कराया था। कालांतर में यह बौद्ध उपासना स्थल भी बना। इसकी विशिष्ट उत्तर-दक्षिण स्थापत्य शैली इसे अन्य खमेर मंदिरों से अलग पहचान देती है। वर्ष 2008 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर घोषित किया।

सोशल मीडिया से ... X

- बांग्लादेश से इंस्पिरेशन लेने वाली नेहा बोरा को सुनिए, 'मंदिरों में पुजारी बलात्कार करते हैं'! कितना जहर भरा है हिंदुओं के प्रति! इसने बेशर्मी की हदें पार कर दी हैं।

■ अशोक श्रीवास्तव, पत्रकार

- अब राहुल गांधी कह रहे हैं कि 'मुझे तख्त पर बैठना है, मैं तख्त पर बैठकर रहूंगा। इसके लिए चाहे पूरा देश ही क्यों न जल जाए। अगर मैं राख का राजा हूँ, तो राख पर ही राज करूँगा।'

■ गौतम भाटिया, भाजपा प्रवक्ता

- पंजाब में राहुल गांधी जी का आना हमारे लिए सुखद संदेश है, क्योंकि राहुल जी के जहाँ-जहाँ कदम पड़ते हैं वहां भाजपा विजयी होती है।

■ अनुराग ठाकुर, सांसद

- 2024 में चुनाव आयोग ने लोकतंत्र की मिसाल पेश की। गिर के जंगल में एक वोट डलवाने के लिए 10 कर्मचारी 10 किलोमीटर पैदल चले, वहीं अरूणाचल प्रदेश में एक मतदाता के लिए 44 किलोमीटर पहाड़ों का सफर तय किया। यही चुनाव आयोग की प्रतिबद्धता है, मतदाता चुनाव आयोग के दरवाजे नहीं आएगा, बल्कि चुनाव आयोग उसके दरवाजे तक जाएगा।

■ जगत प्रकाश नड्डा, स्वास्थ्य मंत्री

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ''इंडिपेंडेंट भारत'' स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक जगदीश शर्मा, शर्मा प्रिन्टिग प्रेस रामपुर बगहा पो0 लक्ष्मीगंज जनपद कुशीनगर उ0 प्र0 274306 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
मोबाईल न0-90261 11001 संपादक जगदीश शर्मा प्रबंध संपादक मयंक कुमार सिंह Title code-UPHIN49987 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कुशीनगर होगा।



जसपिंदर नरूला: सुरों की बहुरंगी पहचान

परिचय : संगीत की अनमोल आवाज

भारतीय संगीत जगत में कुछ आवाजें ऐसी होती हैं, जो अपनी मधुरता, विशिष्ट अंदाज और भावपूर्ण गायकी के कारण श्रोताओं के दिलों में खास जगह बना लेती हैं। जसपिंदर नरूला ऐसी ही एक प्रतिभाशाली गायिका हैं। पंजाबी संगीत, बॉलीवुड पार्श्वगायन, सूफी संगीत और धार्मिक गायकी में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी आवाज में शास्त्रीय संगीत की गहराई, लोक संगीत की मिठास और सूफियाना अंदाज का खूबसूरत संगम सुनाई देता है। उन्होंने हिंदी और पंजाबी के अलावा विभिन्न भाषाओं में भी अपनी गायकी का जादू बिखेरा है।

प्रारंभिक जीवन : संगीत से जुड़ा परिवार

जसपिंदर नरूला का जन्म 14 नवंबर को हुआ। उनका परिवार संगीत से जुड़ा हुआ था। उनके पिता केसर सिंह नरूला पंजाबी संगीत जगत के जाने-माने संगीतकार थे। जसपिंदर को बचपन से ही गायकी का शौक था। उन्होंने अपने पिता से संगीत की शुरुआती शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने उस्ताद गुलाम सादिक खान से शास्त्रीय संगीत की बारीकियां सीखीं। संगीत के प्रति उनकी लगन ने बचपन में ही उनकी प्रतिभा को निखारना शुरू कर दिया था।

शिक्षा और संगीत साधना

जसपिंदर नरूला ने संगीत के साथ-साथ अपनी औपचारिक शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने दिल्ली के इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वुमेन से संगीत में स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने संगीत में उच्च शिक्षा हासिल की और दिल्ली विश्वविद्यालय से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 2008 में डॉक्टरेट की पढ़ाई पूरी करना उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों में महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। उनकी शास्त्रीय संगीत की मजबूत नींव ने उन्हें फिल्मी, सूफी और लोक संगीत में भी अपनी अलग पहचान बनाने में मदद की।

बॉलीवुड में पहचान : लोकप्रिय गीतों का सफर

जसपिंदर नरूला ने बॉलीवुड में अपनी आवाज से खास मुकाम हासिल किया। फिल्म 'प्यार तो होना ही था' का गीत 'प्यार तो होना ही था', जिसे उन्होंने रेमो फर्नांडिस के साथ गाया, उनके करियर का सबसे लोकप्रिय गीत बना। इस गीत ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। वर्ष 1999 में उन्हें इस गीत के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायिका पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन्होंने 'सोल्जर', 'विरासत', 'मोहब्बतें', 'मिशन कश्मीर', 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' और 'बंटी और बबली' जैसी फिल्मों में भी अपनी आवाज दी। 'तेरा रंग बल्ले बल्ले' और 'बुम्बरो' जैसे गीतों ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ाया।

पंजाबी व सूफी संगीत

जसपिंदर नरूला की खासियत यह है कि उन्होंने खुद को केवल बॉलीवुड तक सीमित नहीं रखा। पंजाबी लोकगीतों, गुरबाणी, भजनों और सूफी संगीत में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है। उनकी गायकी में पंजाबी संस्कृति और आध्यात्मिक भावनाओं की झलक दिखाई देती है। 'दमा दम मस्त कलंदर' जैसी सूफियाना प्रस्तुति से भी उन्होंने श्रोताओं को प्रभावित किया। उन्होंने धार्मिक और आध्यात्मिक संगीत के माध्यम से भी अपनी कला को व्यापक श्रोतावर्ग तक पहुंचाया। वर्ष 2008 में रियलिटी शो 'धूम मचा दे' में उन्हें भारत की सर्वश्रेष्ठ लाइव परफॉर्मर का खिताब मिला।

सम्मान और उपलब्धियां

जसपिंदर नरूला को संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए अनेक सम्मान मिले हैं। फिल्मफेयर और स्क्रीन अवॉर्ड के अलावा उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। वर्ष 2025 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा। यह उपलब्धि उनके लंबे संगीत सफर और भारतीय संगीत के प्रति समर्पण का महत्वपूर्ण प्रमाण है। उनकी प्रतिभा ने साबित किया है कि निरंतर अभ्यास, शिक्षा और कला के प्रति समर्पण से सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल की जा सकती हैं।

निष्कर्ष

जसपिंदर नरूला का संगीत सफर नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बॉलीवुड की व्यावसायिक गायकी से लेकर पंजाबी लोक संगीत और आध्यात्मिक प्रस्तुतियों तक अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उनकी आवाज में विविधता और भावनाओं की गहराई है।

फिर अक्षय के साथ काम करेंगी भूमि पेडनेकर

सुपरस्टार अक्षय कुमार का नाम अपनी अपकमिंग मूवीज को लेकर चर्चा में बना रहता है। लंबे समय से निर्देशक प्रियदर्शन संग एक आने वाली अनटाइल मूवी को लेकर अक्की लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। अब अक्षय की इस फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है, जो लीड एक्ट्रेस से जुड़ी हुई है।

बताया जा रहा है कि अक्षय कुमार की इस अपकमिंग अनटाइटल फिल्म के लिए एक्ट्रेस के लिए मेकर्स की तलाश पूरी हो गई है। वह अभिनेत्री 4 साल बाद अक्की के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही है। आइए इस मामले को विस्तार से जानते हैं-

अक्षय कुमार संग नजर आएगी यह एक्ट्रेस

किसी भी फिल्म के लीड एक्टर और लीड एक्ट्रेस के मामले अक्सर सिनेमाई गलियारे में चर्चा का विषय बनते हैं। फिलहाल इस मामले में अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी अनटाइटल फिल्म छाई हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म में बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा भूमि पेडनेकर लीड रोल प्ले करती नजर आएंगी।

हालांकि, अभी इस मामले की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। अगर ऐसा होता है तो भूमि 4 साल बाद



अभिनेता अक्षय कुमार के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करती नजर आएंगी। आखिरी बार ये दोनों कलाकार साल 2022 में आई फिल्म 'रक्षा बंधन' में एक साथ दिखाई दिए थे, जोकि बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी।

इतना ही नहीं साल 2017 में अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर की जोड़ी पहली बार फिल्म 'टॉयलेट- एक प्रेम कथा' में नजर आई थी, जो कि कमर्शियल तौर पर बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब ये दोनों स्टार्स एक-दूसरे के साथ तीसरी फिल्म करने के लिए कमर कसते हुए दिखाई दे सकते हैं।

इस फिल्म में किया था कैमियो

सिर्फ 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' और 'रक्षा बंधन' ही नहीं बल्कि भूमि पेडनकर अभिनेता अक्षय कुमार की एक फिल्म में कैमियो रोल प्ले करती हुई नजर आ चुकी हैं, जिसका नाम है 'खेल खेल में'। 2024 में आई इस कॉमेडी ड्रामा में भूमि ने छोटी सी भूमिका अदा की थी।

भूमि पेडनेकर ने 'दम लगा के हईशा', 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा', 'शुभ मंगल सावधान', 'सांड की आंख', 'बाला', 'बधाई दो' और 'भक्षक' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। उनकी फिल्में सामाजिक मुद्दों और महिला सशक्तिकरण को प्रमुखता देती हैं।

वही काम करती हूं जो मुझे पसंद हो

KEERTHY



राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में वह अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि साउथ अभिनेत्री कीर्ति ने 2024 में वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने और काम करने को लेकर बात की। कीर्ति ने बताया कि वह हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं थी। वह चाहती थीं कि सब कुछ सही समय पर अपने आप हो।

क्या बोलीं कीर्ति सुरेश?

कीर्ति ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से किसी समय हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी और आखिरकार ऐसा हुआ। इसकी शुरुआत 'अक्का' से हुई। इस बीच 'बेबी जॉन' आई और उसके बाद मैंने राजकुमार राव के साथ 'रफ्तार' नाम की फिल्म की। यह फिल्म भी जल्द रिलीज होनी चाहिए।'

मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है...

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है।'

कैसे कीर्ति को मिली 'अक्का'?

कीर्ति ने बताया कि धर्मा (निर्देशक) ने मेरी फिल्म 'सानी कायिधम' देखी थी। उसमें मेरा किरदार बेहद मजबूत और बेखौफ था, लेकिन उसके अंदर एक संवेदनशील पहलू भी था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह फिल्म देखी है। तब मैंने उनसे कहा कि अब मैं समझ गई कि आप मुझे यह किरदार क्यों देना चाहते हैं।

क्या है 'अक्का' की कहानी?

कीर्ति और राधिका स्टारर 'अक्का' की कहानी 1980 के दशक में पेरनुरु नाम के एक काल्पनिक राज्य में दिखाई गई है, जहां महिलाओं का दबदबा है। फिल्म की कहानी भवानी (कीर्ति) और रुद्रा (राधिका) नाम की दो ताकतवर महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों की अलग-अलग सोच और उनके बीच की दुश्मनी राज्य में सत्ता के समीकरण तय करती है।

कब रिलीज होगी 'अक्का'?

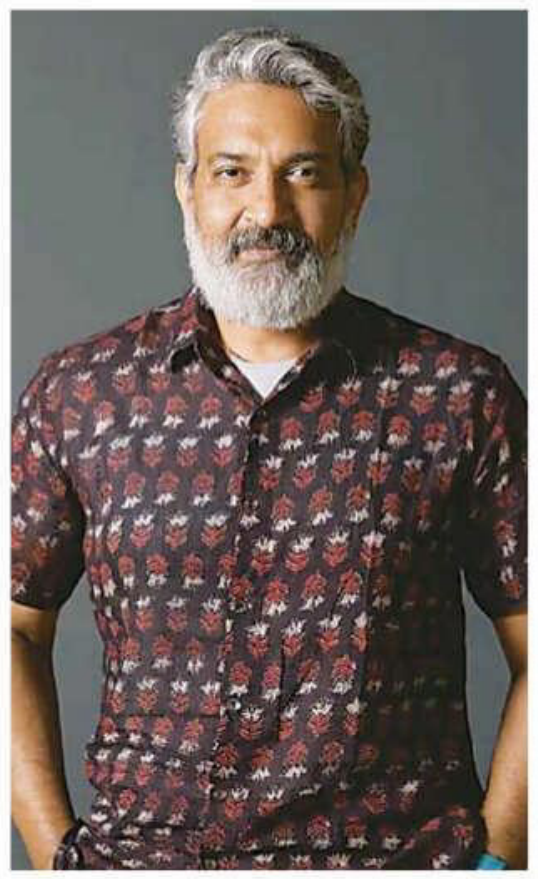
'अक्का' का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है। सीरीज में कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के अलावा तन्वी आजमी, महेश मांजरेकर, अंशुमान पुष्कर और मोनिका पंवार समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमैंट ने किया है। 'अक्का' 30 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है।

कंट्रोवर्सीज

शादी की अफवाहें: 2020 से 2023 के बीच कीर्ति का नाम संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर और व्यवसायी फरहान बिन लियाकत के साथ जोड़ा गया। कीर्ति और उनके परिवार ने इन खबरों को निराधार बताया।

फैशन को लेकर ट्रोलिंग: 2023 में निर्देशक वेंकी एटलुरी की शादी में पहने गए रंगीन लहंगे को लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया गया।

फिल्म 'डोरोथी' पर विवाद: सितंबर 2026 में फिल्म के समलैंगिक चित्रण को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध और बहिष्कार की मांग हुई। फिल्म में कीर्ति की भूमिका को लेकर भी चर्चा रही।



एसएस राजामौली की सिल्वर जुबली

अपनी अलग तरह की सोच, कहानी कहने के बिल्कुल अलग अंदाज और फुल एंटरटेनर फिल्मों के जरिए इंडियन सिनेमा में अपनी एक खास पहचान बना चुके फिल्म मेकर एसएस राजामौली ने हाल ही में सिनेमा इंडस्ट्री में करियर के शानदार 25 साल पूरे किए। एसएस राजामौली के कहानी कहने का अंदाज अनोखा है और लार्जर देन लाइफ सिनेमा के लिए उनका विज़न बेमिसाल है। उनकी बाहुबली फ्रेंचाइजी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करते हुए जबरदस्त धूम मचाई।

उन्होंने अपने करियर में अब तक 'बाहुबली' फ्रैंचाइज़ी के अलावा, 'सिम्हाद्री', 'छत्रपति', 'मगधीरा', 'ईगा', 'आरआरआर', 'बाहुबलीः द एपिक' जैसी कई मेगा ब्लॉकबस्टर्स हिट फिल्में दी है। 2016 में, भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित हो चुके एसएस राजामौली ने लगातार भारतीय सिनेमा के पैमाने और महत्वाकांक्षा को एक नई पहचान दी है। एसएस राजामौली इन दिनों महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन के लीड रोल वाली लगभग 1200 करोड़ की लागत से बन रही अपने आगामी फिल्म 'वाराणसी' में बिजी हैं। इस फिल्म से सालों बाद प्रियंका चोपड़ा किसी भारतीय फिल्म में कमबैक कर रही हैं।

MOVIE REVIEW

मीठे में क्या है ★★★

एक्टर: रोहिणी हट्टंगड़ी, ऋत्विक भौमिक, आयशा रजा, तराना राजा, विक्रम बख्शी, दलाई, शिविका ऋषि, कनिका कपूर
श्रेणी: फैमिली ड्रामा
डायरैक्टर: राधिका बंसल
अवधि: 1 घंटा 59 मिनट

वो कहावत है न कि सुख-दुख में परिवार और अपने ही साथ देते हैं। लेखिका-निर्देशिका राधिका बंसल की डेब्यू फिल्म 'मीठे में क्या है' इसी एहसास को और पुख्ता करती है। दिवाली के त्योहार को केंद्र में रखकर बुनी यह हल्की-फुल्की फिल्म खोने के दर्द, अपनों के साथ और परिवार की अहमियत पर जोर देती है।

'मीठे में क्या है' की कहानी

कहानी जय (ऋत्विक भौमिक) और उसकी हंसती-खेलती फैमिली की है। जय दो साल पहले गुजर चुकी पत्नी तारा (कनिका कपूर) को खोने के गम से उबर नहीं पा रहा है। वह सब कुछ बेचकर विदेश में बसने जा रहा है, पर तभी उसकी बहन सना (दलाई) बिना किसी को कुछ बताए करम (विक्रम बख्शी) से शादी कर लेती है इसलिए, उसे दिवाली पर अपनी नानी (रोहिणी हट्टंगड़ी) के घर लखनऊ आना पड़ता है, जहां पूरा परिवार इकट्ठा है।

अब दिवाली का त्योहार है। परिवार का री-यूनियन है। सना की शादी का सरप्राइज है। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि पूरा घर इस पर कैसे रिएक्ट करता है? जय इन सबके बीच अपने दर्द से कैसे उबरता है? परिवार की इसी हल्की-फुल्की मस्ती, नोकझोंक, प्यार और अपनेपन को एकसाथ सजाकर परोसती है यह फिल्म।

'मीठे में क्या है' मूवी रिव्यू

राधिका बंसल ने एक प्यारी सी फील गुड पारिवारिक फिल्म से सिनेमा की दुनिया में कदम रखा है। फिल्म देखते हुए दर्शकों को अपने मामा-मामी, नानी-दादी, बुआ-फूफा और कजिन्स के साथ बिताए पल याद आ जाएंगे। उन्होंने अपने किरदारों और उनके आपसी रिश्ते को हल्के-फुल्के ढंग से दिखाने की कोशिश की है। उसे ज्यादा नाटकीय नहीं बनाया है। मसलन, सना के एक शादीशुदा और बच्ची के



हल्के-फुल्के और खुशनुमा एहसास के लिए आप पूरे परिवार के साथ नेटफ्लिक्स पर 'मीठे में क्या है' देख सकते हैं।

पिता करम से शादी पर भी उसकी मां अमृता (आयशा रजा) के अलावा बाकी परिवार सहज रहता है।

हालांकि, फिल्म के स्क्रीनप्ले में और कसावट की गुंजाइश थी। जय और उसकी नानी के रिश्ते को थोड़ा और विस्तार दिया जाता और उनके बीच कुछ गहरे भावनात्मक दृश्य बुने जाते, तो कहानी का असर बढ़ सकता था। इसी तरह, कुछ और मजेदार या दिल छू लेने वाले पल फिल्म को यादगार बना सकते थे। वैसे, जय और मीरा (शिविका ऋषि) के बीच के सीन कहानी में खूबसूरत भावनात्मक रंग भरते हैं।

इस परिवार को अपना सा बनाने में इसके कलाकारों का भी बड़ा हाथ है। रोहिणी हट्टंगड़ी, आयशा रजा, तारना राजा, शिविका, विक्रम बख्शी, ऋत्विक भौमिक, दलाई, सभी ने अपने किरदारों को बड़ी खूबसूरती से निभाया है। इनके सहज अभिनय की वजह से ये सब किरदार नहीं, बल्कि वाकई एक परिवार का हिस्सा लगते हैं।

कुल मिलाकर, 'मीठे में क्या है' कोई बहुत गहरी या चौंकाने वाली कहानी नहीं कहती, लेकिन रिश्तों की गर्माहट और त्योहार के उल्लास से मन को हल्का जरूर करती है। कुछ भावनात्मक और मनोरंजक पलों की कमी खलती है, मगर दिवाली के मौके पर परिवार के साथ देखने के लिए यह एक प्यारी-सी टाइमपास फिल्म साबित हो सकती है।

क्यों देखें- हल्के-फुल्के और खुशनुमा एहसास के लिए आप पूरे परिवार के साथ नेटफ्लिक्स पर 'मीठे में क्या है' देख सकते हैं। दैनिक सवेरा टाइम्स न्यूज मीडिया नेटवर्क इस फिल्म को 3 स्टार रेटिंग देता है। **-सवेरा फीचर्स**

संक्षिप्त समाचार

बजाज फिनसर्व का मुनाफा 25.4 प्रतिशत बढ़कर 5,952 करोड़ पर



मुंबई। बीमा और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फिनसर्व को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2026) में समेकित आधार पर 5,952 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो एक साल पहले की समान तिमाही से 25.4 प्रतिशत अधिक है। बजाज फिनसर्व के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक के बाद वित्तीय परिणामों की घोषणा की गयी। कंपनी ने बताया कि दूसरी तिमाही में उसका समेकित राजस्व 16.7 प्रतिशत बढ़कर 43,416 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का एकल नेटवर्थ 29.1 फीसदी बढ़कर 12,902 करोड़ रुपये और समेकित नेटवर्थ 9.8 प्रतिशत बढ़कर 83,974 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि पूरे समूह का बाजार पूंजीकरण 10.40 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

आंध्र प्रदेश को मिली 1614 करोड़ की दक्षिण कोरियाई निवेश लॉटरी, तमिलनाडु चूका



नई दिल्ली। भारत में निवेश के लिए राज्यों के बीच चल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा में आंध्र प्रदेश ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। दक्षिण कोरिया की तीन प्रमुख ऑटो-पार्ट्स कंपनियों ने तमिलनाडु को पछाड़कर आंध्र प्रदेश में 1,614 करोड़ रुपये का निवेश करने का फैसला किया है। ये कंपनियां दुनिया की दिग्गज कार निर्माता हुंडई और किया को गाड़ियों के पुर्जे सप्लाई करती हैं। इस निवेश के तहत राज्य के अनंतपुर जिले में नई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियां स्थापित की जाएंगी। इसमें ह्वासन 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, सियोयोन 514 करोड़ रुपये लगाएगी, और इवामेट 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

डेरियस खंबाटा ने टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से किया इनकार

नई दिल्ली। टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में नेतृत्व को लेकर विवाद गहरा गया है। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाटा ने सर दोराबजी टाटा



ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी के तौर पर दोबारा नियुक्ति से इनकार कर दिया है। उनका कार्यकाल इसी माह खत्म हो जाएगा। अपने विदाई पत्र में, खंबाटा ने टाटा संस की 17 सितंबर की बोर्ड बैठक को 'कलंक का दिन' बताया, जिससे इस बड़े समूह के अंदर चल रही सत्ता और नियंत्रण की खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई है।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी : सार्वजनिक बैंकों में बिकवाली का जोर रहा

सेंसेक्स 1,225 अंक उछला, दो महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा

■ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे दिन तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स दो महीने से अधिक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स 796 अंक चढ़कर 76,288 अंक पर खुला और अंत में 1,225.07 अंक (1.62 प्रतिशत) ऊपर 76,917.85 अंक पर बंद हुआ। इस सप्ताह दो दिन में सेंसेक्स 2,458 अंक चढ़कर गत 01 सितंबर के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 370.05 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,810.85 अंक पर बंद हुआ जो 04 सितंबर के बाद का इसका उच्चतम स्तर है।वृहत बाजार में भी सभी सूचकांक हरे निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.14 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.31 फीसदी चढ़ा। सेक्टर आधारित सूचकांकों



एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख, यूरोपीय बाजारों में नरमी

वैश्विक स्तर पर एशिया में हांगकांग का हैंग सेंग 0.57 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.82 फीसदी और जापान के निक्केई में 0.33 फीसदी की गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.53 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.45 फीसदी नीचे था।

में निफ्टी एफएमसीजी सबसे अधिक 3.65 प्रतिशत चढ़ा। रियल्टी में 2.33 प्रतिशत की तेजी रही। ऑटो, वित्त, रसायन और सीमेंट सेक्टरों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक चढ़े। बैंकिंग, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और तेल एवं गैस सेक्टरों में भी अच्छी तेजी रही। सार्वजनिक बैंकों में बिकवाली का जोर रहा। इसके अलावा सिर्फ धातु सेक्टर में गिरावट रही।

एनएसई में जिन 3,713 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,127 के शेयरों तेजी और 1,477 में गिरावट रही। अन्य 109 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे।सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 के शेयर हरे निशान में बंद हुए। हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 4.16 प्रतिशत और भारती एयरटेल का चार प्रतिशत चढ़ा। एचडीएफसी बैंक में 3.62 फीसदी, एशियन पेंट्स में 3.53, अल्ट्राटेक सीमेंट में 3.05, आईसीआईसीआई बैंक में 2.80 और आईटीसी में 2.76 फीसदी की तेजी रही। टाइटन का शेयर 1.90 प्रतिशत, इंडिगो का 1.85, एक्सिस बैंक का 1.82, मारुति सुजुकी का 1.79, बजाज फिनसर्व का 1.78, इटरनल का 1.73, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.31, बजाज फाइनेंस का 1.24, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.12 और बीईएल का 0.97 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। इंफोसिस, अडानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस के शेयर भी चढ़ गए। पावरग्रिड में 2.27 प्रतिशत और भारतीय स्टेट बैंक में 1.77 प्रतिशत की गिरावट रही। एनटीपीसी, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयर भी नुकसान में रहे।

कुल्लू और ज़ीरो के बागवानों की बड़ी छलांग

हिमाचल के सिंदूरी अनार और अरुणाचल की कीवी पहुंचीं दुबई

■ नई दिल्ली

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने बागवानी पैदावार की अंतरराष्ट्रीय बाजार में पैठ बढ़ाते हुए हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले से 1.3 टन सिंदूरी किस्म के अनार और अरुणाचल प्रदेश के ज़ीरो से 1.5 टन कीवी के दुबई के सफल निर्यात की सुविधा प्रदान की है। यहां जारी आधिकारिक बयानों में कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले से उत्तर प्रदेश स्थित अमामा एक्सपोर्ट्स ने दो किलोग्राम के 650 बक्सों में सिंदूरी किस्म के अनार की खेप दुबई भेजी है। इस पहल के तहत अनार की सीधी खरीद स्थानीय किसानों और लगभग 600 किसानों से जुड़े भुंतर किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) से की गई। इसमें कुल्लू जिला बागवानी प्रशासन ने सहयोग दिया।

सीधी खरीद और एफपीओ की सामूहिक भागीदारी के कारण इस प्रक्रिया में शामिल किसानों को घरेलू बाजार के मानक मूल्य



की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक दाम मिला। राज्य में भगवा और कंधारी के साथ-साथ सिंदूरी किस्म भी उगाई जाती है। यह अपने आकर्षक लाल रंग, रसीले दानों और मीठे-खट्टे स्वाद के लिए जानी जाती है।

अरुणाचल प्रदेश की उच्च-ऊंचाई वाली जलवायु जैविक और खास स्वाद वाली कीवी की खेती के अनुकूल है। राज्य में हेवर्ड, मोंटी, एलिसन और ब्रूनो किस्में उगाई जाती हैं, जिनमें से हेवर्ड किस्म की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी मांग है। समारोह में अरुणाचल प्रदेश के कृषि मंत्री गेब्रियल डी. वांगसू, व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री के सलाहकार डॉ. महेश चाई और ज़ीरो के विधायक हेज अप्पा सहित वरिष्ठ अधिकारी और कीवी ग्रोअर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। एपीडा की इस पहल से पूर्वोत्तर भारत और पहाड़ी राज्यों के बागवानी उत्पादों के लिए वैश्विक व्यापार के नए रास्ते खुलेंगे।

दुबई के लुलु हाइपरमार्केट में बिक्री शुरू

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की एक विशेष ब्रांडिंग पहल के तहत अरुणाचल प्रदेश के ज़ीरो से 1.5 टन कीवी का परीक्षण निर्यात दुबई के लिए किया गया। व्यापार एवं वाणिज्य तथा बागवानी विभाग के सहयोग से भेजी गई यह खेप सफलतापूर्वक दुबई पहुंच चुकी है और इसे अल कुसैस स्थित लुलु हाइपरमार्केट में ग्राहकों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए रखा गया है। इस परीक्षण निर्यात का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में अरुणाचल कीवी की मांग को समझना और आगे उसी के अनुसार कार्रवाई करना है।

भारत में सोने की मांग 29 फीसदी घटी, मूल्य में 3 फीसदी की वृद्धि

■ आयात शुल्क, ऊंची कीमतें और पीएम की अपील बनी वजह

■ मुंबई

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के अनुसार भारत में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 29 प्रतिशत घटकर 162.5 टन रह गई। आयात शुल्क में बढ़ोतरी, कीमतों में तेज उछाल और प्रधानमंत्री की खरीदारी



कम करने की अपील इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, इस अवधि में सोने की कुल मांग का मूल्य 3 प्रतिशत बढ़कर 2,41,900 करोड़ रुपये हो गया, जो उपभोक्ताओं की सोने के प्रति निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की इसी तिमाही में सोने की मांग 229.8 टन थी, जबकि समीक्षाधीन तिमाही में औसत भाव करीब 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कुल आभूषण मांग 20 फीसदी घटकर 99.9 टन पर आ गई, पर मूल्य के लिहाज से यह 16 फीसदी बढ़कर 1,48,700 करोड़ रुपये दर्ज की गई। डब्ल्यूजीसी के एक अधिकारी ने कहा कि उपभोक्ता अब हल्के वजन के आभूषणों और पुराने सोने के बदले नए आभूषण लेने जैसी रणनीतियों को अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीसरी तिमाही के अंत में कीमतों में आई गिरावट और आगामी त्योहारों व शादी के मौसम से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे साल के लिए भारत में सोने की मांग 625 से 675 टन रहने का अनुमान लगाया है।

सभी मूल्य के पर्याप्त नोट उपलब्ध-आरबीआई

■ मुंबई

त्योहारी सीजन के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट किया है कि सभी मूल्य के नोट बाजार में पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। केंद्रीय बैंक ने सोशल मीडिया पर आरबीआई गवर्नर के नाम से प्रचारित एक फर्जी सर्कुलर के सामने आने के बाद यह स्पष्टीकरण दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी



स्पष्टीकरण में कहा है कि उसे पता चला है कि कुछ तत्व इस फर्जी सर्कुलर को फैला रहे हैं। इस सर्कुलर में, जिस पर आरबीआई गवर्नर के फर्जी दस्तावेज भी हैं, कहा गया है कि त्योहारी सीजन में 10 रुपये, 20 रुपये और 50 रुपये के कम मूल्य वाले नोटों की कमी हो सकती है। आरबीआई ने अपने पोस्ट में लिखा है, सर्वप्रथम यह स्पष्ट किया जाता है कि आरबीआई के वॉल्ट और करेंसी चेस्ट में सभी मूल्य के, जिनमें छोटे मूल्य वर्ग के नोट भी शामिल हैं, पर्याप्त नोट उपलब्ध हैं। इसलिए, उस फर्जी सर्कुलर में दी गई जानकारी भ्रामक है।

होंडा ने अपनी पहली मेड-इन-इंडिया ग्लोबल इलेक्ट्रिक एसयूवी को दिया 'होंडा अल्फा' नाम

■ नई दिल्ली

होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने अपनी आगामी ऑल न्यू इलेक्ट्रिक एसयूवी को 'होंडा अल्फा' नाम देने की घोषणा की है।कंपनी ने मंगलवार को बताया कि ग्रीक वर्णमाला के पहले अक्षर से प्रेरित 'होंडा अल्फा' नाम को ग्राहकों के जीवन में एक नई शुरुआत के प्रतीक के रूप में चुना गया है। यह आगामी मॉडल कंपनी की पहली मेड-इन-इंडिया इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जिसे अगले माह दो दिसंबर को बाजार में पेश किया जाएगा।

होंडा कार्स इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशियुकी यानागिसावा ने कहा, 'हमें अपनी आगामी इलेक्ट्रिक एसयूवी के आधिकारिक नाम के रूप में होंडा अल्फा की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। होंडा अल्फा भारत में अपने ग्राहकों तक एडवांस्ड इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पहुंचाने की हमारी महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। साथ ही, यह वह गुणवत्ता, विश्वसनीयता और ड्राइविंग का



आनंद भी देगी, जिसके लिए होंडा जानी जाती है।' उन्होंने बताया कि भविष्य में भारत इस मॉडल के वैश्विक उत्पादन का बेस होगा। यह होंडा के इलेक्ट्रिफिकेशन के सफर में एक अहम कदम है और भारतीय बाजार के प्रति कंपनी की मज़बूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। होंडा अल्फा की घोषणा के साथ ही होंडा कार्स इंडिया के आधिकारिक संवाद में पहली बार उस नए एच मार्क का इस्तेमाल किया गया है, जिसे होंडा के ऑटोमोबाइल बिज़नेस के लिए दुनिया भर में अपनाया गया है। होंडा ऑटोमोबाइल्स के प्रतीक के रूप में 1963 में पहली बार अपनाए जाने के बाद से एच मार्क का इस्तेमाल हमेशा होंडा के ऑटोमोबाइल प्रोडक्ट्स और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए होता रहा है।

एप्पल की बल्ले-बल्ले : भारत में भी टूटा बिक्री का सारा रिकॉर्ड

तिमाही में 114 अरब डॉलर से अधिक की रिकार्ड कमाई

■ नई दिल्ली

अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल ने गत 26 सितंबर को समाप्त तिमाही में 114 अरब डॉलर से अधिक का राजस्व कमाया और इस दौरान भारत समेत कई बाजारों में उसकी रिकॉर्ड बिक्री हुई। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित क्यूपर्टिनो में कंपनी ने सोमवार को 26 सितंबर को समाप्त चौथी तिमाही और पूरे साल के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने बताया कि तिमाही में कुल राजस्व, आईफोन से प्राप्त राजस्व और प्रति शेयर आय के नये रिकॉर्ड बने हैं। साथ ही सेवा से प्राप्त राजस्व भी अबतक के रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

कंपनी का तिमाही राजस्व 114.5 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 12 प्रतिशत अधिक है। प्रति शेयर आय 2.10 डॉलर पर पहुंच गई। इसमें सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी



ने प्रति शेयर 0.27 डॉलर के लाभांश की घोषणा की है। कुल मिलाकर 28 अरब डॉलर लाभांश के रूप में वितरित किए जाएंगे। इसका भुगतान 16 नवंबर को किया जाएगा जिसके लिए 12 नवंबर 2026 का शेयरधारिता को आधार बनाया जाएगा।परिणामों के बाद मीडिया से बात करते हुए एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन टर्नस ने बताया कि कंपनी ने अमेरिका, यूरोप, चीन और शेष एशिया-प्रशांत क्षेत्रों में सितंबर तिमाही के रिकॉर्ड बनाए। विकसित और उभरते, दोनों तरह के बाजारों में सितंबर तिमाही का राजस्व नये रिकॉर्ड स्तर पर रहा। इसके साथ ही भारत में भी अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि चौथी तिमाही में आईफोन से 57.6 अरब डॉलर की कमाई हुई है जो एक साल पहले के मुकाबले 17 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी की कुल आय का 50 प्रतिशत है। अमेरिका और चीन में दहाई अंक की अच्छी वृद्धि रही जिससे राजस्व रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है।

अमेरिका, चीन और भारत में पुराने फोन से नए फोन पर जाने वाले ग्राहकों के मामले में भी कंपनी ने सितंबर तिमाही का रिकॉर्ड बनाया। अपग्रेडर्स के लिहाज से भी यह कंपनी के लिए अब तक का सबसे बेहतरीन वित्तीय वर्ष रहा। श्री टर्नस ने कहा कि कंपनी इस साल का समापन अपने अब तक के सबसे शानदार लाइनअप के साथ कर रही है। इसमें 'आईफोन डुओ' भी शामिल है, जो मूल आईफोन के बाद सबसे बड़ा बदलाव लाने वाला आईफोन है।

अब दुबई और सिंगापुर में यूपीआई से भुगतान संभव

■ बुर्ज खलीफा और यूनिवर्सल स्टूडियो जैसे प्रमुख स्थलों पर मिलेगी भुगतान की सुविधा

■ नई दिल्ली

भारतीय पर्यटक अब दुबई और सिंगापुर जैसे लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में भारतीय पेमेंट मोड यूपीआई के जरिए आसानी से भुगतान कर सकेंगे। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में इस नई सुविधा की जानकारी दी है, जिसका मुख्य उद्देश्य विदेश यात्रा के दौरान भारतीय पर्यटकों के लिए टिकट बुक करने और अन्य खरीददारी को आसान बनाना है।

यह कदम भारतीयों को विदेश यात्रा के दौरान टिकट खरीदने के लिए विदेशी कार्ड या दूसरे अंतरराष्ट्रीय पेमेंट ऑप्शंस पर निर्भर रहने की झंझट से मुक्ति दिलाएगा। इससे न केवल उनकी यात्रा और अधिक सुविधाजनक होगी, बल्कि उन्हें करेंसी एक्सचेंज की जटिलताओं से भी नहीं जूझना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि



आप दुबई घूमने जा रहे हैं और बुर्ज खलीफा का टिकट यूपीआई से बुक करना चाहते हैं, तो यह प्रक्रिया बेहद सरल है। आपको बस बुर्ज खलीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा, अपनी पसंद का टिकट पैकेज चुनना होगा और बुक नाओ पर क्लिक करके घूमने की तारीख व समय का चयन करना होगा। इसके बाद चेकआउट करते समय पेमेंट के विकल्प में यूपीआई को चुनकर आप आसानी से भुगतान कर सकते हैं। यह नई पहल विदेश जाने वाले भारतीयों को काफी सहूलियत प्रदान करेगी और वैश्विक स्तर पर भारतीय डिजिटल पेमेंट के बढ़ते इस्तेमाल को भी बढ़ावा देगी। यह भारतीय डिजिटल इकोसिस्टम के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

देश के कई हिस्सों में सूखे का साया, रबी की बुवाई 46 प्रतिशत घटी

गेहूं की धीमी बुवाई, सरसों और चने का रकबा हुआ आधा

■ नई दिल्ली

देश के कई हिस्सों में सूखे का साया और मौसम की अनिश्चितता के बीच रबी सीजन की धीमी शुरुआत हुई है। अक्टूबर महीने में रबी फसलों की बुवाई पिछले साल के मुकाबले करीब आधी हुई है। सबसे ज्यादा गिरावट दलहन और तिलहन फसलों में देखने को मिली है। रबी सीजन की प्रमुख दलहन फसल चना का रकबा करीब 59 फीसदी और प्रमुख तिलहन फसल सरसों की बुवाई में 47 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी किए गए रबी फसलों की बुवाई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, देश भर में रबी फसलों की बुवाई पिछले



साल के मुकाबले 46 प्रतिशत तक गिर गई है। देश में 30 अक्टूबर तक 37.56 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ही रबी फसलों की बुवाई हो सकी है, जबकि ठीक एक साल पहले इसी समय तक 69.02 लाख हेक्टेयर में बुवाई पूरी हो चुकी थी। यानी रबी फसलों की शुरुआती बुवाई में 31.47 लाख हेक्टेयर कम है। बुवाई में देरी का मुख्य कारण शुरुआत में खेतों में पर्याप्त नमी का ना होना और दिन के समय उच्च तापमान का होना है, जो बुवाई के लिए ठीक नहीं था। हालांकि अब मौसम ठंडा होने लगा है, जिससे बुवाई में तेजी आने की पूरी उम्मीद है। नवंबर महीने में रबी फसलों की बुवाई में तेजी से सुधार होने की उम्मीद की जा रही है।

वही रबी सीजन की सबसे प्रमुख फसल गेहूं की बात करें तो अब तक केवल 19,000 हेक्टेयर में ही इसकी बुवाई हुई है, जबकि पिछले साल इसी समय तक 3.34 लाख हेक्टेयर में गेहूं बोया जा चुका था। हालांकि, गेहूं की मुख्य बुवाई नवंबर के पहले हफ्ते से शुरू होती है और अलग-अलग राज्यों में अगले दो महीनों तक चलती है। इसके अलावा, सर्दियों में बोए जाने वाले धान का रकबा भी 3.29 लाख हेक्टेयर से मामूली घटकर 3.16 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है।

सरसों की बुवाई 47 प्रतिशत घटी

देश में 30 अक्टूबर तक तिलहन फसलों की बुवाई भी निराशाजनक हुई है। चालू सीजन में तिलहन फसलों की बुवाई महज 20.97 लाख हेक्टेयर में हुई है जबकि पिछले साल इस समय तक 38.62 लाख हेक्टेयर में तिलहन फसलों की बुवाई हो चुकी थी। सीजन की प्रमुख तिलहन फसल सरसों की बुवाई 38.07 लाख हेक्टेयर से 47 प्रतिशत घटकर 20.50 लाख हेक्टेयर रह गई है। रबी सीजन में सरसों का अनुमानित रकबा 82.78 लाख हेक्टेयर और कुल तिलहन फसलों का रकबा 90.76 लाख हेक्टेयर आंका गया है।

■ **चना के रकबे में 59 फीसदी की आई गिरावट :** कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक रबी सीजन की दलहन का कुल रकबा पिछले साल के 19.56 लाख हेक्टेयर से 52 प्रतिशत गिरकर 9.45 लाख हेक्टेयर पर आ गया है। सीजन की प्रमुख दलहन फसल चना के रकबे में 59 फीसदी की कमी आई है, जो 14.35 लाख हेक्टेयर से घटकर महज 5.90 लाख हेक्टेयर रह गया है। मसूर की बुवाई भी 2.14 लाख हेक्टेयर के मुकाबले आधी (1.10 लाख हेक्टेयर) रह गई है। सीजन की दूसरी दलहन फसल मटर, उर्द, मूंग और कुल्थी के रकबे में भी कमी देखने को मिली है।

इरडा ने इंश्योरेंस कंपनियों के लिए शेयर ट्रांसफर फीस 80 फीसदी घटाई

■ 50 लाख से 10 लाख हुई मंजूरी फीस, 40 लाख की सीधी बचत

■ नई दिल्ली

बीमा नियामक इरडा (आईआरडीएआई) ने इंश्योरेंस कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए शेयर ट्रांसफर की मंजूरी से जुड़ी फीस में 80 फीसदी की भारी कटौती की घोषणा की है। इस फैसले से कंपनियों को सीधी वित्तीय बचत होगी। इसके साथ ही, नियामक ने इंश्योरेंस सेक्टर में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से आईपीओ, कर्मचारियों को शेयर देने और कंपनियों के विलय से जुड़े नियमों पर भी नई गाइडलाइन जारी की हैं। इरडा ने शेयर ट्रांसफर



की मंजूरी से जुड़ी फीस को 50 लाख रुपये से घटाकर मात्र 10 लाख रुपये कर दिया है, जिससे इंश्योरेंस कंपनियों को प्रति मंजूरी 40 लाख रुपये की सीधी बचत होगी। इरडा ने 2 नवंबर 2026 को जारी एक मास्टर सर्कुलर के जरिए यह बदलाव किया है। हालांकि, नए नियम लागू होने से पहले फीस जमा कर चुके कंपनियों को यह राशि वापस नहीं मिलेगी, जबकि कुछ पुराने आवेदन फीस से छूट के दायरे में होंगे।